A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 6 सितम्बर , 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-9 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

मायावती : पुराने तेवरों की वापसी से मिलते नए संकेत, क्या होगा असर?

सैय्यद मोज़िज़ इमाम

उत्तर भारत में दलित मूवमेंट खड़ा करने वाले कांशीराम ने जिस पार्टी के ज़रिए बहुजन समाज को सत्ता के गलियारों में स्थापित किया, क्या मायावती वह चमत्कार दोबारा करने की तैयारी में हैं? पिछले कुछ दिनों में इसको लेकर यूपी की राजनीति में एक बार चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। दरअसल, इस नई उम्मीद की वजह मायावती के पुराने तेवर की वापसी है। एक अरसे की सियासी चुप्पी के बाद दलित समाज की बड़ी चिंता को आवाज़ देने के लिए मायावती ने फिर बोलना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ सालों के बाद यह पहला मौका तब आया जब मायावती पिछले महीने फिर से पार्टी की अध्यक्ष चुनी गईं। इस मौके पर मायावती ने न सिर्फ़ केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी के उपवर्गीकरण वाले फ़ैसले के बहाने घेरा, बल्कि 1995 के गेस्ट हाउस कांड पर कांग्रेस पर चुप रहने का आरोप लगाकर खोई ज़मीन दोबारा हासिल करने के अपने मंसूबे को भी जताया।

मायावती ने कहा कि उनके विरोधी यह अफ़वाह फैला रहे हैं कि वह राजनीति से रिटायर होने वाली हैं लेकिन ऐसा नहीं है।

बहुजन समाज पार्टी को राजनीतिक मज़बूती देना उनका मिशन है जिसके लिए पार्टी प्रदेश के सभी उपचुनाव लड़ेगी। इसके अलावा पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी वह अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। गाहे-बगाहे उनके संन्यास पर लगने वाले कयासों पर मायावती ने एक्स पर लिखा था, 'सक्रिय राजनीति से मेरा संन्यास लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। 'जबसे पार्टी ने आकाश आनन्द को मेरे ना रहने पर या अस्वस्थ विकट हालात में उसे बीएसपी के उत्तराधिकारी के रूप में आगे किया है तबसे जातिवादी मीडिया ऐसी फ़ेक़ न्यूज़ प्रचारित कर रहा है जिससे लोग सावधान रहें।' मायावती ने एससी-एसटी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा, 'जन अपेक्षा के अनुसार पुरानी व्यवस्था बहाल रखने के लिए केन्द्र द्वारा अभी तक कोई ठोस क़दम नहीं उठाना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।' कोर्ट के फ़ैसले के बाद भारत बंद का आह्वान किया गया था जिसका प्रदेश में मिला जुला असर रहा। हालांकि इस बंद पर विपक्षी समाजवादी और कांग्रेस दोनों का समर्थन था लेकिन बीएसपी ने इस मुद्दे के ज़रिए अपनी राजनीतिक ज़मीन को फिर से हासिल करने की कोशिश की है।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीएसपी का खाता नहीं खुल पाया जबकि 2019 में पार्टी के पास दस सांसद थे। 2022 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का सिर्फ एक विधायक ही जीत पाया।

2019 में बीएसपी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था लेकिन पिछला लोकसभा चुनाव उसने अकेले ही लड़ा।

इन चुनावों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, इंडिया अलायंस के घटक के तौर पर मैदान में थीं। मायावती ने इस अलायंस का हिस्सा बनने से इंकार कर दिया था। वो विपक्ष की इंडिया अलायंस और केन्द्र में सत्ताधारी एनडीए दोनों से ही सामान दूरी बनाये रखने की बात करती रही हैं।

लेकिन पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद की बैठक में मायावती के तेवरों से लगता है कि वो एक बार फिर अपने कोर मुद्दे बहुजन समाज की तरफ़ लौटना चाह रही हैं। उनकी रणनीति बीएसपी को ओबीसी समाज यानी अन्य पिछड़ा वर्ग से जोड़ने की लगती है।

हालांकि 2007 में जब उत्तर प्रदेश में पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी, उस वक्त सतीश चंद्र मिश्रा को आगे रखने से बीएसपी को ब्राह्मणों का समर्थन हासिल हुआ था।

लेकिन बाद में पार्टी के नेताओं के बिखरने से बीएसपी कमज़ोर होती चली गयी। अतीत में बहुजनों की सशक्त आवाज़ रही यह पार्टी वर्तमान में सियासी हाशिए पर चलती दिख रही है। राजनीतिक विश्लेषक शरत प्रधान का कहना है, 'बाज़ी मायावती के हाथ से निकल चुकी है, अब दलित वर्ग भी चन्द्रशेखर की तरफ़ देख रहा है। मायावती की पार्टी का ये हाल बीजेपी के साथ उनकी लुकाछिपी का नतीजा है। अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने बीती 21 अगस्त को भारत बंद बुलाया था जिसका असर बिहार,यूपी राजस्थान मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में देखने को मिला।'

बंद को लेकर राजनीति भी तेज़ थी। एनडीए गठबंधन में ही केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने भारत बंद का विरोध किया और इसे अनैतिक और स्वार्थी करार दिया। केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बंद को नैतिक समर्थन दिया। बीएसपी, भीम आर्मी, सपा और कांग्रेस ने इस बंद का समर्थन किया था।

सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने अनुसूचित जाति और जनजाति में क्रीमी लेयर पर भी अपने विचार रखे थे। फ़िलहाल अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर क्रीमी लेयर लागू है। अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए नौकरी में वृद्धि पर भी क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू है।

क्रीमी लेयर आरक्षण प्राप्त कुछ वर्गों का वह तबका है जो वित्तीय और सामाजिक रूप से तरक्की कर गया है। लिहाजा उसे आरक्षण के इस्तेमाल का हक नहीं है।

जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अन्य पिछड़े वर्ग को मिले आरक्षण की तरह ही अनुसूचित जाति और जनजाति में भी क्रीमी लेयर आना चाहिए। पर उन्होंने यह नहीं कहा कि क्रीमी लेयर का निर्धारण कैसे किया जाएगा।

यूपी के बीएसपी अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है, 'बीएसपी का काडर अभी भी है जो पार्टी के लिए मज़बूती से खड़ा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण के नाम पर जनता को सिर्फ़ गुमराह किया है और वह लौटकर बीएसपी के पास ज़रूर आएगी।'

समाजवादी पार्टी और बीएसपी के रिश्ते कभी एक जैसे नहीं रहे। यह ठंडे-गरम होते रहते हैं। ताज़ा मामला मथुरा के बीजेपी एमएलए के विवादित बयान का है जिसमें उन्होंने मायावती पर अभद्र टिप्पणी की। इस मामले में मायावती के पक्ष में सबसे पहले उतरने वालों में अखिलेश यादव रहे।

बीएसपी सुप्रीमों ने पहले अखिलेश को धन्यवाद किया लेकिन बाद में उन्होंने गेस्ट हाउस कांड के बहाने समाजवादी पार्टी को एक बार फिर अपने निशाने पर ले लिया। उन्होंने गेस्ट हाउस कांड के लिए एसपी को ज़िम्मेदार ठहराया। बीजेपी विधायक राजेश चौधरी ने अपने बयान में कहा था कि बीजेपी ने मायावती को मुख्यमंत्री बनाकर ग़लती की। मायावती एनडीए और इंडिया अलायंस दोने से समान दूरी बना कर रखना चाहती हैं लेकिन बीजेपी से उन पर नज़दीकी का आरोप लगता रहा है। इसलिए बीजेपी को निशाने पर लेने के फौरन बाद वो कांग्रेस पर हमलावर हो गयी हैं।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हिमाचल में मस्जिद विवाद पर जबरदस्त बवाल

सड़कों पर उतरे हजारों लोग अवैध निर्माण तोड़ने पर अड़े

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली इलाके में एक मस्जिद निर्माण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। संजौली में पिछले 5 दिनों से लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। गुरुवार, 5 सितंबर को विभिन्न संगठनों के साथ स्थानीय लोग भी सड़कों पर आ गए। इनकी मांग है कि मस्जिद के अवैध निर्माण को गिराया जाए। पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह भी प्रदर्शन स्थल पर गए। मामले पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, जो भी कानून को हाथ में लेगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर लिखा, हिमाचल में कांग्रेस सरकार में मंत्री अनिरुद्ध सिंह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि संजौली में मस्जिद के पास 31 अगस्त की शाम को समुदाय विशेष के लोगों ने एक स्थानीय व्यक्ति के साथ मारपीट की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मारपीट के बाद यह मामला तूल पकड़ने लगा। अब हिंदू संगठन और कई स्थानीय लोग इस मस्जिद को गिराने की मांग पर अड़ गए हैं। आरोप है कि इलाके में बिना अनुमति और नक्शा पास किए बगैर 5 मंजिला मस्जिद बना दी गई।

ओवैसी बोले- बीजेपी की भाषा बोल रहे कांग्रेस के मंत्री

पुतिन ने दिए यूक्रेन के साथ बातचीत के संकेत

- कहा-भारत हो सकता है अच्छा मध्यस्थ, दो और देशों पर जताया भरोसा

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत उनके और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका में हो सकता है। पुतिन ने गुरुवार को यूक्रेन से बातचीत का संकेत देते हुए भारत के अलावा चीन और ब्राजील का नाम लिया है, जो यूक्रेन के साथ संभावित शांति वार्ता में मध्यस्थ के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। पुतिन ने इस दौरान कहा कि युद्ध के शुरुआती हफ्तों में इस्तांबुल में वार्ता में रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच एक प्रारंभिक समझौता हुआ था लेकिन ये कभी लागू नहीं किया जा सका। अगर फिर से शांति पर बातचीत होती है तो इसी समझौते को वार्ता के आधार के तौर पर शामिल किया जा सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ बातचीत शुरू करने की इच्छा दिखाई है।

जनहित में नवीन प्रौद्योगिकी का सदुपयोग हो: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकास ऐसा हो कि जिसका लाभ इस पीढ़ी के साथ आने वाली पीढ़ी को भी मिले

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक प्रगति के मार्ग पर पूरी रफ्तार के साथ दौड़ रहा है। अधोसंरचना का काम रीढ़ की हड्डी की तरह होता है, जिस पर आर्थिक और समावेशी विकास की नीतियां आकार लेती है। प्रौद्योगिकी की ताकत को पहचाने, इसका सदुपयोग कर समाज हित में संकल्प को पूर्णता प्रदान करे ताकि इस पीढ़ी के साथ आने वाली पीढ़ी भी लाभान्वित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को उज्जैन से भोपाल में निर्माण उद्योग विकास परिषद द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नें 'अधोसंरचना निर्माण में नवाचारों का समावेश' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेंस का उज्जैन से वर्चुअली शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधोसंरचना के क्षेत्र में समावेशी विकास की गुंजाइश पर आयोजित कॉन्फ्रेंस बुनियादी ढांचे, पर्यावरण, स्वास्थ्य, नवाचारों आदि संभावनाओं पर समग्र रूप से विचार किया जाए। नवीन प्रौद्योगिकी के युग में एक प्लेटफार्म पर निरंतर विचार विमर्श से ही समावेशी विकास के नए मार्ग एवं द्वार खुलेंगे। प्रदेश और निर्माण की बेहतरी के लिए हर संभावना को तलाशा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के संकट से बचाव के लिए प्रभावी और लचीले बुनियादी ढांचे के निर्माण पर हमे जोर देना होगा। नई विधाएं अपनाकर निर्माण की गति भी बढ़ानी होगी। निर्माण के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

चैलेंज का समाधान जरूरी, ताकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर सकें: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि टेक्नोलॉजी के युग में हम आगे तो बढ़ रहे हैं लेकिन आवश्यकता है कि आज के चैलेंज का समाधान करते हुए हम आगे बढ़े ताकि हम आने वाली पीढ़ियों के भविष्य सुरक्षित कर सके। राज्यमंत्री श्रीमती गौर 'अधोसंरचना निर्माण में नवाचारों का समावेश' विषय पर आज एमप्री भोपाल में निर्माण उद्योग विकास परिषद द्वारा आयोजित आईडीसी, आईसीसी कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह दो दिवसीय कांफ्रेंस आप सबके श्रेष्ठ विचारों से उत्कृष्ट सुझाव से निश्चित रूप से पूरी तरह से समृद्ध और सार्थक होगी। मेरा पूरा विश्वास है इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी के साथ फ्यूचर के इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करना और ब्रांड कनेक्ट यह किसी भी देश के प्रगति और तरक्की के लिए बहुत महत्वपूर्ण कदम होते हैं।

सुप्रभात

तुम मुझसे
दूर नहीं हो

मेरी आँखों में
ज्योति-सी
झलक रही हो

मेरे प्राणों में
रागिनी-सी
गूंज रही हो

मेरे हृदय में
नदी-सी
लहरा रही हो

मेरी रगों में
रक्त-सी
प्रवाहित
हो रही हो

मेरी ढलती आयु की
जिजीविषा बनी
हुई हो।

- दुर्गाप्रसाद झाला

देश की चौथी सबसे अमीर महिला की भाजपा से बगावत

- टिकट कटा तो सावित्री जिंदल ने निर्दलीय लड़ने का ऐलान किया; कहा-मैं पार्टी मेंबर नहीं

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बुधवार देर शाम को 67 कैंडीडेट की लिस्ट जारी की थी। लिस्ट आते ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई है। कई पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया पर ही इस्तीफा दे दिया। वहीं, गुरुवार सुबह देश की चौथी सबसे अमीर महिला सावित्री ने भी बगावत कर दी है। भाजपा से टिकट न मिलने के बाद उन्होंने हिसार से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। सावित्री जिंदल ने समर्थकों से कहा- मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्य नहीं हूं। मैं चुनाव न लड़ने के बारे में बोलने के लिए दिल्ली से वापस आई थी, लेकिन आपका प्यार और विश्वास देखकर मैं चुनाव लड़ूंगी।

गुजरात में बारिश-बाढ़ ने फिर मचाया कोहराम

अब तक 49 लोगों की हुई मौत, कई जिलों में हाल बेहाल

हिमाचल में 119 सड़कें बंद,राजस्थान में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने गुरुवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश सहित 22 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में तीन दिन तक भारी बारिश का अलर्ट है। बुधवार को राजस्थान के जोधपुर में सबसे ज्यादा 90.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक जाम लगा। हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण 119 सड़कें बंद हैं, इनमें 2 नेशनल हाईवे हैं। हरियाणा के पंचकूला में ईंट भट्टे की दीवार गिरने से 3 बच्चों की मौत हुई। मध्य प्रदेश में भी बारिश की जुड़ी घटनाओं में एक महिला और एक युवक की मौत हो गई। गुजरात में इस मानसून सीजन में अब तक 49 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट है। नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले में भारी बारिश के कारण पगला पहाड़ पर लैंडस्लाइड हुआ।

भारत और सिंगापुर के बीच चार समझौतों पर हस्ताक्षर

● पीएम बोले-हम भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं ● अपने खास दोस्त से मुलाकात के बाद कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी सिंगापुर के दौरे पर है। जहां उन्होंने अपने खास दोस्त और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और सिंगापुर के बीच चार समझौतों पर हस्ताक्षर पर भी किए। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध व्यापक स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने सिंगापुर में रह रहे भारतीय मूल के लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सिंगापुर भारत का न केवल साझेदार राष्ट्र है बल्कि हर विकासशील देश के लिए प्रेरणा भी है। पीएम ने आगे कहा कि हम भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं। इसके लिए दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पीएम के बैठक की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। उन्होंने लिखा कि दोनों देशों के बीच संबंधों का नया अध्याय है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने आज सिंगापुर में एक सार्थक बैठक की। इसके साथ ही जायसवाल ने कहा,'दोनों नेताओं ने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने उन्नत विनिर्माण, संपर्क-सुविधा, डिजिटलाइजेशन स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा और कौशल विकास जैसे मुद्दे पर द्विपक्षीय व्यापक समीक्षा की।' पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री वोंग का गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 6 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

तेलंगाना में आदिवासी महिला से बलात्कार का प्रयास

गुस्साई भीड़ ने जलाई दुकानें और घर, क्षेत्र में लगा कर्फ्यू

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के कुमुराम भीम आसिफाबाद जिले के जैनूर कस्बे में एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा एक आदिवासी महिला के साथ बलात्कार एवं हत्या के कथित प्रयास के खिलाफ आदिवासी संगठनों द्वारा किया जा रहा विरोध प्रदर्शन बुधवार को हिंसक हो गया। इससे सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो गया और अधिकारियों को कर्फ्यू लगाना पड़ा। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। जिला प्रशासन द्वारा जैनूर कस्बे में धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा जारी की गई है और अफवाहों और फर्जी खबरों को फैलने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय

के तौर पर क्षेत्र में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में लाया गया है, अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को भी बुलाया जा रहा है। जैनूर कस्बे में दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति द्वारा एक आदिवासी महिला के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के प्रयास के विरोध में आदिवासी संगठनों द्वारा बंद का आह्वान किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी शामिल हुए। कुछ उत्तेजित युवकों ने दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जला दिया और एक धार्मिक स्थल पर पथराव भी किया। स्थिति दो समुदायों के बीच संघर्ष में बदल गई।

भारत के दुश्मनों को मिल रहे 'नाटो' के हथियार

● कश्मीर से लेकर पंजाब तक हो रही है सप्लाई, खुफिया एजेंसियां फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाटो अपने सदस्य देशों को रक्षा सहयोग के तहत हथियार उपलब्ध कराता है। यह हथियार आमतौर पर अत्याधुनिक होते हैं और इन्हें कड़ी सुरक्षा के साथ भेजा जाता है। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में देखा गया है कि ये हथियार कुछ असामाजिक तत्वों, जैसे कि अपराधी गिरोह और आतंकवादी समूहों के पास पहुंच रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण है हथियारों की तस्करी। भारत में ऐसे कई गिरोह और आतंकवादी समूह हैं जो इन हथियारों को अपने आपराधिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। यह न केवल

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि सामाजिक शांति के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। पिछले महीने पंजाब के शेरों में स्थित एक चेकपोस्ट पर पुलिस टीम ने एक बड़े अपराध का खुलासा किया। मामला तब पकड़ में आया जब पुलिस ने एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार को तेज रफ्तार में आते देखा। पुलिस टीम ने तुरंत कार को रुकने का सिग्नल दिया, लेकिन कार में सवार लोग रुकने की बजाय भागने का प्रयास करने लगे। हालांकि, पुलिस की चुस्ती और मुस्तैदी के चलते अपराधी भागने में असफल रहे।

भाजपा बोली-पित्रोदा पहले राहुल को बोलना सिखाएं

● विदेश जाकर भारत की खिल्ली नहीं उड़ाई जाती, पीएम का ख्वाब देखते हैं तो होमवर्क सीखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी के फ्यूचर में प्रधानमंत्री बनने वाले सैम पित्रोदा के बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पित्रोदा अगर सच में राहुल के अंदर पीएम की छवि देखते हैं तो पहले उन्हें बोलना सिखाएं। भाजपा सांसद ने आगे कहा- राहुल विदेश जाकर भारत की खिल्ली उड़ाते हैं। वे यहां के लोकतंत्र, मीडिया और न्यायपालिका पर बाहर जाकर सवाल खड़े करते हैं। पित्रोदा को उन्हें होमवर्क कराना चाहिए कि कब और कहां, कैसे बोलना है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने 4 सितंबर को कहा था कि राजीव गांधी की तुलना में उनके बेटे राहुल गांधी ज्यादा समझदार हैं। वे समझदार होने के साथ-साथ एक बेहतर रणनीतिकार भी हैं। राहुल में फ्यूचर प्रधानमंत्री के सारे गुण हैं। सैम पित्रोदा ने शिकागो से न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल की एक गलत इमेज बनाई गई थी। उन्हें बदनाम करने के लिए लाखों-करोड़ों डॉलर खर्च किए गए। मीडिया में जो राहुल की इमेज थी, वह एक प्लान्ड कैंपेन पर आधारित थी।

टिकट कटने से नाराज मंत्री रणजीत चौटाला ने छोड़ी बीजेपी

● बोले-निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा, भाजपा को अपनी ताकत दिखाएंगे

सिरसा (एजेंसी)। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने टिकट न देने पर भाजपा छोड़ दी है। कल 4 सितंबर को भाजपा की 67 उम्मीदवारों की लिस्ट के बाद उन्होंने गुरुवार को समर्थकों के साथ मीटिंग की। रणजीत ने कहा कि भाजपा हाईकमान ने मुझे डबवाली से चुनाव लड़ने के लिए कहा था, लेकिन मैं वहां से नहीं लड़ना चाहता। मैं इसी समय पार्टी छोड़ रहा हूं। 90 फीसदी तय है कि रानियां विधानसभा से निर्दलीय ही चुनाव लड़ूंगा। आगामी 8 सितंबर को रानियां में बड़ा रोड शो निकालकर भाजपा को अपनी ताकत का एहसास करवाएंगे। रणजीत चौटाला पूर्व डिप्टी पीएम चौधरी देवीलाल के बेटे हैं।

आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

● बड़ी अदालत में लगाई अर्जी, सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच करेगी सुनवाई

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। घोष ने 27 अगस्त को अपनी याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट में 6 सितंबर को सुनवाई होनी है। हालांकि, सुनवाई से पहले, उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में 2 सितंबर को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने यह याचिका लिस्ट की गई है और छह सितंबर को सुनवाई हो सकती है। घोष की गिरफ्तारी 9 अगस्त को अस्पताल में 31 वर्षीय डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या के मामले के बाद सामने आए कथित कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में हुई है। ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के मामले में पूरे देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की ममता सरकार बैकफुट पर है।

निजी स्कूलों के शिक्षकों ने भाजपा की सदस्यता ली

वीडी शर्मा बोले-राजा अगर निरंकुश हो जाए तो दिशा देने का काम शिक्षक ही करते हैं

भोपाल (नप्र) प्रदेश भाजपा कार्यालय में निजी स्कूलों के शिक्षकों ने भाजपा की सदस्यता ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और पार्षद रविन्द्र यति की मौजूदगी में प्रायवेट शिक्षकों और शिक्षाविदों को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

मां ने सफाईकर्मी की बेटी के पैर पूजे तो मिली सामाजिक समरता की दिशा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- आज शिक्षक दिवस के अवसर पर भाजपा के परिवार में शामिल होने वाले शिक्षकों को बधाई देता हूं। देश ही नहीं दुनिया में ऐसा माना गया है कि व्यक्ति के जीवन में दिशा देने का काम माता-पिता करते हैं या फिर बच्चे को जीवन की दिशा देने में शिक्षक की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आप सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं।

वीडी शर्मा ने आगे कहा- मेरी मां पढ़ी लिखी नहीं हैं। मैं गांव का आदमी हूं। जब मैं बहुत छोटा था मेरी मां सुबह-सुबह कहीं गईं और लौटीं तो मैंने पूछा कि आप कहां गई थीं। उन्होंने बताया कि गांव में सफाईकर्मी की बेटी की शादी थी तो उसके पैर पखारने गई थी। जब मैंने उस परिवार में जाने का कारण पूछा तो मेरी मां कहा -बेटा पैर पूजने का बड़ा पुण्य मिलता है।

यानि उस समाज की बेटी के पैर पूजने से बड़ा पुण्य मिलता है ये सामाजिक समरसता की शिक्षा मुझे आज की किताबों से नहीं मिली। ये मेरी मां ने उस समय बता दिया था कि सामाजिक समरसता क्या है! वो बिना पढ़ी लिखी महिला हैं।

5वीं कक्षा में शिक्षक ने दी बोलने की ट्रेनिंग- वीडी ने कहा- मैं चंबल का रहने वाला हूं वहां कई प्रकार की जातिगत चीजें चलाने का प्रयास करते थे। आज तो नहीं हैं। मेरी मां कहती थीं कि तुम्हें बताने की जरूरत नहीं हैं कि ये कौन है तुम तो जाओ, खाओ पियो और अपना काम करो। नहीं तो यहां दस तरह की पंचायत खड़ी होगी। आज परिदृश्य बदल गया। ये मेरे जीवन के दृश्य पटल पर इन चीजों को हमेशा उन चीजों के रुप में देखता रहा कि मां ने हमें क्या सिखाया है।

5वीं कक्षा में मेरे शिक्षक राजौरिया जी थे। उस समय उन्होंने मुझे जो दिशा दी और 15 अगस्त और 26 जनवरी के भाषण की तैयारी कराते थे। आज मैं अगर कुछ बोलने में सक्षम हूं तो उसमें हमारे शिक्षक राजौरिया जी का बड़ा योगदान है।

राजा अगर निरंकुश हो जाए तो शिक्षक ही दिशा देगा- वीडी शर्मा ने कहा- आज भी नई शिक्षा नीति को लेकर समाज और देश के बारे में आप जो बता सकते हैं वो अगर हम बताएंगे तो लोग हमारी बात को नहीं मानेंगे। सत्य क्या है हमें किस दिशा में जाने की जरूरत है। समाज के लिए क्या करना है ये अगर शिक्षक कहता है तो विद्यार्थी नॉन बाइस्ड होकर उसकी बात को सुनता है। इसलिए मैं ऐसा मानता हूं कि भारत का इतिहास कहता है कि जब राजा निरंकुश हो जाता है तब भी दिशा देने वाला कौन है? घनानंद के शासन में दुरावस्था के दौर में चंद्रगुप्त बनाने का काम अगर किसी ने किया तो वो चाणक्य ने किया। चाणक्य ने ही बताया कि इस व्यवस्था का परिवर्तन कैसे होगा?

विकीपीडिया पर 'हाई' हुआ हाईकोर्ट का पारा

● कहा-भारत को पसंद नहीं करते तो देश छोड़ दो, ब्लॉक ही करा देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर की शख्सियतों और घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देने वाली वेबसाइट विकीपीडिया को दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने न्यूज एजेंसी के बारे में डिटेल देने वाले पेज में संशोधन किए जाने के मामले में विकीपीडिया को अदालत ने नसीहत दी है। बेंच ने कहा कि यदि आप भारत को पसंद नहीं करते हैं तो फिर यहां काम भी न करें। कोर्ट ने कहा कि हम सरकार से कहेंगे कि विकीपीडिया को भारत में ब्लॉक कर दिया जाए। उच्च न्यायालय ने विकीपीडिया को अवमानना का नोटिस जारी किया है और पूछा है कि आखिर उसने बेंच के उस आदेश पर अमल क्यों नहीं किया है, जिसमें कहा गया था कि वह उन लोगों के बारे में जानकारी दी। जिन लोगों ने विकी के पेज में बदलाव किए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने विकीपीडिया के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराया था। एजेंसी का कहना था कि उसके बारे में दी गई जानकारी में जो संशोधन किए हैं, वह मानहानि भरे हैं। एजेंसी के बारे में किसी ने विकीपीडिया पेज में संशोधन करते हुए लिख दिया था कि वह मौजूदा सरकार का एक प्रोपेगेंडा टूल है।

वायनाड के बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी

दान की एक महीने की तनख्वाह, लोगों से भी की अपील

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में आई भयानक बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आगे आए हैं। उन्होंने वायानाड के बाढ़ पीड़ितों के लिए अपनी एक महीने की तनख्वाह दान कर दी है। राहुल गांधी ने बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं। बता दें राहुल गांधी पिछली लोकसभा में वायनाड से सांसद भी रह चुके हैं। राहुल इस बार के लोकसभा चुनाव में राहुल वायनाड के साथ रायबरेली से भी चुनाव जीते मगर लोकसभा में सदस्यता लेने के दौरान उन्होंने वायनाड की सीट छोड़ दी थी। अब इस सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा। वायनाड की त्रासदी के लिए अपनी तनख्वाह दान करने को लेकर राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा, वायनाड में हमारे भाई-बहनों ने एक बहुत बड़ी त्रासदी का सामना किया है और उन्हें हमारे समर्थन की जरूरत है ताकि वे अपने नुकसान से उबर सकें। मैंने अपने एक महीने की तनख्वाह बाढ़ पीड़ितों के राहत और पुनर्वास के लिए दान कर दी है। मैं सभी भारतीयों से गुजारिश करता हूं कि जितना हो सके मदद करें क्यों हर छोटी मदद मायने रखती है। उन्होंने वायनाड के पुनर्निर्माण के लिए लोगों से कांग्रेस केरल के फंड में योगदान देने की अपील भी की।

कांग्रेस और एनसीपी के आगे उद्धव सेना का सरेंडर

सीएम फेस पर माननी पड़ गई एमवीए गठबंधन की बात

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे बीते करीब एक महीने से लगातार यह कह रहे थे कि विधानसभा चुनाव से पहले हमें महाविकास अघाड़ी का मुख्यमंत्री का चेहरा तय कर लेना चाहिए। यह बात वह जोर देकर कह रहे थे और उनका यहां तक कहना था कि सीएम फेस इस आधार पर तय नहीं होना चाहिए कि गठबंधन के किस दल को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। उनका साफ इशारा था कि उद्धव सेना का सीएम पद पर दावा है और पहले ही उसके नेता को चेहरा बना दिया जाए। हालांकि शरद पवार और कांग्रेस की ओर से उनके इस रुख को तवज्जो नहीं दी गई। यहां तक कि शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता ने भी कहा कि हम बिना चेहरे के ही उतरेंगे और पहला टारगेट एनडीए को सत्ता से बाहर करना है। अब कांग्रेस और शरद पवार के आगे उद्धव सेना भी झुकती दिख रही है। पार्टी नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर बातचीत बाद में भी हो सकती है। इसलिए क्योंकि पहला लक्ष्य राज्य में 'भ्रष्ट' महायुति सरकार को हटाना है।

विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस, स्पीड भी बेमिसाल

भारत में यात्रा के तरीके को बदल देंगी यह जानी-मानी चार ट्रेनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाल ही में यात्रियों की यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने और ट्रेन की गति को बढ़ाने के उद्देश्य से एक नया कदम उठाया है। दरअसल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के पहले प्रोटोटाइप का अनावरण किया, जो भारतीय रेलवे द्वारा पेश की गई अपनी तरह की नई और खास ट्रेन है। इसे प्रीमियम ट्रेनों जैसे राजधानी एक्सप्रेस और तेजस एक्सप्रेस से भी बेहतर बताया जा रहा है। यह ट्रेन बैंगलोर स्थित बीईएमएल द्वारा निर्मित की जा रही है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भारतीय रेलवे की सबसे मॉडर्न तकनीक

और यात्री सुविधाओं का संगम है। इसमें न केवल आधुनिकतम सुविधाएं होंगी, बल्कि इसे यात्रियों की आवश्यकता और आराम को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। ट्रेन की रफ्तार और आरामदायक सीटों के अलावा इसमें अत्याधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे चार नई ट्रेनों पर काम कर रहा है जो देश में यात्रा के तरीके को बदल देंगी। ये चार ट्रेनें हैं: वंदे भारत चेयर कार, वंदे भारत स्लीपर, वंदे मेट्रो और अमृत भारत ट्रेनें। इनमें से वंदे भारत पहले ही देश के कई शहरों को जोड़ चुकी है।

ग्लोबल समिट में देश का प्रतिनिधित्व कर रहीं भोपाल की यशस्वी

भोपाल (नप्र)। दुनिया में गैर बराबरी और भेदभाव मिटाने के लिए साझा रणनीति तैयार करने के मकसद से फिलीपीन्स में हो रही ग्लोबल समिट में एकता परिषद की ओर से युवा प्रतिनिधि के रूप में भोपाल की यशस्वी कुमुद भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। फाइट अगेन्सट इनइल्क्वेलिटी एलायंस के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी आफ फिलीपीन्स दिलीमन मनीला में हो रही इस समिट में एशिया के 9 देशों के 45 प्रतिनिधियों समेत दुनिया भर के 40 देशों के 200 से भी ज्यादा प्रतिनिधि हिस्सा से ले रहे हैं।

यह बड़ी उपलब्धि है कि एशियाई देशों के लोगों की समस्याओं और चुनौतियों को रेखांकित करते हुए पहली बार 'एफआईए' ने एशियन काउसिंल का गठन किया है, जिसका समन्वयक फिलीपीन्स की प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता मैंजिट और सह-समन्वयक भारत की यशस्वी कुमुद को बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि खास तौर पर लैंगिक असमानता, भेदभाव जैसे मुद्दों पर काम करने वाली यशस्वी कुमुद 2016 में संयुक्त राष्ट्र संघ न्यूयार्क में बाल अधिकारों को लेकर यूनिसेफ की ओर से भारत के एक प्रतिनिधि के रूप में अपनी बात रख चुकी हैं और चार्टर आफ डिमान्ड्स (मांग पत्र) पेश कर चुकी हैं।

2 सितंबर से यूनिवर्सिटी आफ फिलीपींस में शुरू हुई इस ग्लोबल समिट के पहले दौर में एशिया के भारत, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलीपीन्स आदि विकासशील, पिछड़े, गरीब देशों में व्याप्त समस्याओं और चुनौतियों की पहचान और खुशहाल दुनिया के लिए अहिंसक माध्यमों से रणनीति बनाने पर केन्द्रित रही। समिट में साउथ अफ्रीका, कीनिया, मेक्सिको और ब्राजील जैसे कई देश शामिल हुए हैं।

एशियन काउंसिल की पहली सह समन्वयक सुश्री यशस्वी कुमुद ने बताया कि इस ग्लोबल समिट का मकसद गैर बराबरी और भेदभाव रहित दुनिया बनाने के लिए काम करना है, जहां 99 फीसदी लोगों को बुनियादी सुविधाओं, संसाधनो, अधिकारों से वंचित कर दिए गए हैं। दुनिया के केवल एक फीसदी लोगों के कब्जे में संपत्ति, सत्ता और संसाधनों का बड़ा हिस्सा है। इससे यह पता चलता है कि सामाजिक और आर्थिक असमानता की जड़ें कितनी गहरी हैं।

एमईआईएल और सुधा रेड्डी फाउंडेशन स्तन कैंसर के खिलाफ एकजुट

हैदराबाद/भोपाल। सुधा रेड्डी फाउंडेशन और देश की अग्रणी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) फाउंडेशन ने ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने के खिलाफ एकजुट हुए है। इसी सिलसिले में 29 सितंबर को हैदराबाद पिंक पावर रन 2024 का आयोजन किया, जिसमे बड़ी संख्या में बच्चे और महिलाएं भाग लेकर गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएंगे।

पिंक पावर रन तीन अलग-अलग श्रेणियां आयोजित होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मैराथन दौड़ 3 किमी, 5 किमी और 10 किमी की श्रेणी में होगी। सभी प्रतिभागियों को विशेष रेस किट, पोस्ट रन रिफ्रेशमेंट, निर्देशित वार्म अप और कूल डाउन सत्र और एक शानदार फ़िनिशर मेडल जैसी सभी तरह की सुविधाओं दी जाएगी! इसके साथ ही हजारों लोग पिंक कपडे पहनकर एक पक्षी की विशाल मानव श्रृंखला बनाएंगे। यह आकर्षक संरचना एकता, आशा और स्तन कैंसर से लड़ने के लिए अटूट संकल्प का एक मार्मिक प्रतीक के रूप में काम करेगी।

ब्रैस्ट कैंसर के खिलाफ सुधा रेड्डी फाउंडेशन और एमईआईएल फाउंडेशन के इस लड़ाई को देश की ख्यात बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु भी ने समर्थन दिया है। पी. वी. सिंधु ने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर, मैं एक ऐसे कारण में योगदान देने की उम्मीद करती हूं जो दुनिया भर में अनगिनत महिलाओं को प्रभावित करता है।

अब समर्पित डेस्क से मिलेगा जनजातीय वर्ग की योजनाओं एवं सेवाओं का सीधा लाभ

जनजातीय कार्य विभाग के सभी जिला एवं विकासखंड कार्यालयों में स्थापित होंगी समर्पित डेस्क

भोपाल (नप्र)। जनजातीय वर्ग के समग्र विकास एवं कल्याण के लिये केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें एवं कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। शासन की विकास योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों का सीधा लाभ एक ही स्थान से उपलब्ध कराने के लिये जनजातीय कार्य विभाग द्वारा एक नवाचारी कदम उठाया गया है। जनजातीय वर्ग के सभी आवेदकों/हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पाने के लिये अब यहां-वहां पूछताछ नहीं करनी पड़ेगी। जनजातीय कार्य विभाग के सभी जिला एवं विकासखण्ड कार्यालयों में एक 'समर्पित (हेल्प) डेस्क' स्थापित की जायेंगी। यह समर्पित डेस्क सिंगल विन्डो की तरह काम करेंगी। समर्पित डेस्क के जरिये जनजातीय वर्ग के लोगों को सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही आवेदकों से आवेदन भी लिये जायेंगे। जनजातीय कार्य विभाग के सभी सहायक आयुक्त कार्यालय एवं सभी जनजातीय ब्लॉक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के कार्यालयों में यह समर्पित डेस्क स्थापित की जायेंगी। विभाग की उप सचिव सुश्री मीनाक्षी सिंह ने इन अधिकारियों को अपने कार्यालयों में समर्पित डेस्क (हेल्प) डेस्क स्थापित करने के निर्देश जारी कर दिये हैं। उन्होंने कहा है कि हेल्प डेस्क में एक सहायक (लिपिक) भी पदस्थ किया जाए।

भोपाल में बड़ा तालाब फुल, 3 बांधों के गेट खुले

भदभदा-कलियासोत और कोलार डैम से छोड़ा जा रहा पानी, 6 जिलों में बारिश का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। इसका कारण मौजूदा लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) का कमजोर होना और मानसून ट्रफ का आगे निकलना बताया गया है। भोपाल में बुधवार को हुई तेज बारिश से बड़ा तालाब में पानी बढ़ गया, जिसके बाद गुरुवार को भदभदा-कलियासोत और कोलार डैम का एक-एक गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है।

आज छतरपुर, पन्ना समेत 6 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत अन्य जिलों में हल्की बारिश का दौर बना रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 2 इंच पानी गिरते ही सामान्य बारिश का कोटा भी फुल हो जाएगा। अब तक औसत 35.4 इंच बारिश हो चुकी है।

मौसम विभाग, भोपाल के वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया, लो प्रेशर एरिया कमजोर होकर आगे बढ़ गया है। मानसून ट्रफ गुना, सिवनी से गुजर रही है। अगले 24 घंटे में सिस्टम कमजोर हो जाएगा। 8 सितंबर तक भारी बारिश नहीं होगी।

भोपाल में तीन बांधों के एक-एक गेट खुले- भोपाल में कैचमेंट एरिया में बारिश होने से भोपाल का बड़ा तालाब फिर छलक उठा है। इससे भदभदा और फिर कलियासोत डैम के एक-एक गेट खोलने पड़े।

गुरुवार को भी दोनों गेट खुले हैं। भदभदा डैम का एक गेट बुधवार शाम को ही खोल दिया गया था। इसके बाद कलियासोत का गेट भी खोला गया। पानी ज्यादा होने पर कलियासोत डैम का रात में ही दूसरा गेट कुछ देर के लिए खोला गया। हालांकि, गुरुवार को एक ही गेट खुला हुआ है। इस सीजन में कलियासोत के गेट 7 बार, भदभदा के 6 जबकि कोलार बांध के गेट चौथी बार खोले गए हैं। भदभदा के 11 में से अधिकतम 8, कलियासोत के सभी 13 और कोलार डैम के 8 में से 4 गेट खोले जा चुके हैं।जिले की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। जुलाई और अगस्त में ज्यादा बरसने से सीजन का कोटा फुल हो गया।

भोपाल समेत 4 जिलों में बारिश, नदी उफान पर आई

इससे पहले बुधवार को भोपाल समेत प्रदेश के 4 जिलों में बारिश हुई। भोपाल में सुबह तीखी धूप खिली, लेकिन दोपहर में बारिश का दौर शुरू हो गया। इसके अलावा छिंदवाड़ा, सिवनी, रायसेन में भी बारिश हुई। गुना में एक मकान का छज्जा गिर गया। मलबे में दबने से वेदवती बाई राठौर की मौत हो गई। रायसेन में हलाली डैम के दो गेट आधे-आधे मीटर तक खोल दिए गए। डैम के कैचमेंट एरिया का लेवल 459.59 मीटर पर फुल हो गया। दोनों गेट से 92.74 क्यूमैक्स पानी छोड़ा गया। हरदा में अजनाल नदी उफान पर रही। इससे पुल के ऊपर से पानी बह निकला। भोपाल में बुधवार को भदभदा डैम का एक गेट खोला गया। हरदा में अजनाल नदी उफान पर है।गुना में मकान का छज्जा गिरने से महिला की मौत हो गई। हरदा में नदी पार करने की कोशिश कर रहा युवक बह गया।

इन जिलों में हो सकती है बारिश

छतरपुर, पन्ना, सतना, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में गुरुवार को तेज बारिश हो सकती है। दूसरी ओर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेश के अन्य जिलों में हल्की बारिश, धूप-छांव और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

कोलार, हलाली डैम के गेट खुले

भोपाल के पास कोलार डैम का एक गेट बुधवार को खुला रहा। हलाली डैम के दो गेट भी खोले गए। बारिश की वजह से भोपाल के कलियासोत, केरवा और भदभदा डैम, नर्मदापुरम का तवा डैम समेत बाणसागर, कुंडालिया, बरगी, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, जोहिला, पारसडोह, चंदौरा, कुंडालिया बांधों में भी पानी बढ़ गया।

यूएन वीमन और नोकिया ने प्रदेश शासन के साथ मेंटरिंग वूमेन, एम्पॉवरिंग फ्यूचर्स कार्यक्रम किया प्रारंभ

प्रदेश के 12 जनजाति बहुल जिलों की महिलाओं को किया जायेगा प्रशिक्षित

भोपाल (नप्र)। यूएन वीमन इंडिया और नोकिया ने प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी में 'मेंटरिंग वूमेन, एम्पॉवरिंग फ्यूचर्स ' कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य युवा महिला एवं छात्राओं को आवश्यक व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे बेहतर ढंग से प्रशिक्षित हो कर तकनीकी उद्योग के क्षेत्र में बेहतर कैरियर बना सकें। इसका उद्देश्य कार्यशालाओं और मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना है जिससे वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनकर देश के विकास में सहयोगी बने।

वर्ष 2024 में यह कार्यक्रम प्रदेश के 12 जनजाति बहुल जिलों में प्रारंभ किया गया है, जो 'वी एसटीईएम' कार्यक्रम का हिस्सा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाना है। यह पहल उन युवा महिलाओं को प्रेरणा और समर्थन प्रदान करने पर केंद्रित है, जो पहले से ही मध्य प्रदेश के चयनित जनजाति बहुल क्षेत्र में उच्च शिक्षा या व्यावसायिक एसटीईएम शिक्षा पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम का मुख्य आधार परामर्श और मार्गदर्शन है, जो महिलाओं को एसटीईएम क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने और रोजगार में बने रहने में सहायता करता है। व्यापक और नवीनीकृत दृष्टिकोण से समूह मार्गदर्शन द्वारा मेंटरशिप जोड़ी बनाई जायेगी। छात्राओं को रिज्यूमे बनाना, साक्षात्कार की तैयारी, कॅरियर निर्माण, डिजिटल कौशल निर्माण, कंपनी में काम करना, व्यक्तिगत ब्रांडिंग, नेतृत्व और अन्य सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला का लाभ मिलेगा। अगले तीन महीनों में 100 छात्राओं के लिए समूह मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जायेंगे। नोकिया की 20 महिला लीडर्स ने प्रतिभाशाली छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए स्वेच्छा से मेंटर बनने का निर्णय लिया है। नियमित चेक-इन और प्रतिक्रिया सत्र से यह सुनिश्चित किया जायेगा कि मेंटरशिप कार्यक्रम का अधिकाधिक लाभ छात्राओं को मिल सके।

सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार श्री रघुराज माधव राजेन्द्रन ने कहाकि यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मैं इस मेंटरशिप कार्यक्रम का हिस्सा हूं, जो यूएन वीमन और नोकिया का संयुक्त प्रयास है, जिसका उद्देश्य एसटीईएम क्षेत्रों में युवा महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम विभाग की 100 छात्राओं को 20 अनुभवी नोकिया महिला नेतृत्वकर्ताओं के माध्यम से मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जो उन्हें उनके कॅरियर के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल और सॉफ्ट स्किल्स को विकसित करने में मदद करेगा।

निदेशक, कौशल विकास श्रीमती हर्षिका सिंह ने कहा किहमारी युवा महिलाओं में आत्मविश्वास का निर्माण केवल कौशल सिखाने तक सीमित नहीं है, यह उनकी असीमित क्षमता में विश्वास जगाने और एसटीईएम क्षेत्र में उनके कौशल को उन्नत करने के लिए एक सहयोगी वातावरण बनाने के बारे में है। 'हुनर,' जो कौशल विकास एवं रोजगार विभाग का शुभंकर है, कौशल विकास में महिला भागीदारी को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है, और हम एक सहायक वातावरण विकसित करने के लिए समर्पित हैं जहाँ हर युवा महिला सफल हो सके और उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

यूएन वीमन और नोकिया की साझेदारी का उद्देश्य देश के संदर्भ और प्राथमिकताओं के अनुसार महिलाओं की ऑनलाइन दुनिया में भागीदारी को बढ़ाना है। वर्ष 2024 में, यह कार्यक्रम अर्जेंटीना, भारत, जॉर्डन, फिलीपींस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया और तुर्की में लागू किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि यूएन वीमन संयुक्त राष्ट्र की इकाई है जो लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। यह सरकारों और नागरिक समाज के साथ मिलकर कानून, नीतियां, कार्यक्रम तैयार करने में सहयोग करता है।

बीजेपी के संकल्प पत्र पर अमल का आदेश जारी

सिंगल विंडो की तर्ज पर आदिवासी विकासखंड और जिलों में समर्पित हेल्प डेस्क बनी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के जनजातीय कल्याण विभाग ने बीजेपी के संकल्प पत्र 2023 पर अमल के आदेश जारी किए हैं। जनजातीय कल्याण के अंतर्गत लिए गए संकल्प में संकल्प पत्र के पेज 34 में इस तरह की व्यवस्था करने की बात कही गई है। इसके बाद जनजातीय कार्य विभाग द्वारा इसी माह से प्रदेश के सभी 89 आदिवासी विकासखंड और 20 जिलों में सिंगल विंडो की तर्ज पर समर्पित हेल्प डेस्क व्यवस्था लागू कर दी गई है। विभाग का कहना है कि इसे लागू करने से आदिवासी समाज के समग्र विकास एवं

कल्याण के लिये केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें एवं कार्यक्रमों की जानकारी एक स्थान से मिल सकेगी।

जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्तों तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश में विभाग की उपसचिव मीनाक्षी सिंह द्वारा कहा गया है कि शासन की विकास योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों का सीधा लाभ एक ही स्थान से उपलब्ध कराने के लिये जनजातीय कार्य विभाग द्वारा नवाचारी कदम उठाया गया है। इसके बाद जनजातीय वर्ग के सभी आवेदकों, हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पाने के लिये अब यहां-वहां पूछताछ नहीं करनी पड़ेगी। जनजातीय कार्य विभाग के सभी जिला एवं विकासखण्ड कार्यालयों में समर्पित (हेल्प) डेस्क स्थापित की जाकर इसकी जानकारी पांच सितम्बर तक शासन को भेजना है। यह समर्पित डेस्क सिंगल विन्डो की तरह काम करेगी।

जानकारी देने के साथ आवेदन भी लेंगे

समर्पित डेस्क के जरिये जनजातीय वर्ग के लोगों को सरकार की सभी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही आवेदकों से आवेदन भी लिये जायेंगे। जनजातीय कार्य विभाग के सभी सहायक आयुक्त कार्यालय एवं सभी जनजातीय ब्लॉक के विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के कार्यालयों में यह समर्पित डेस्क स्थापित कर इसकी कम्प्लायंस रिपोर्ट मांगी गई है। इस निर्देश में कहा गया है कि हेल्प डेस्क में एक सहायक (लिपिक) भी पदस्थ किया जाए।

कार्यालय के बाहर लगेंगे हेल्प डेस्क के बोर्ड

विभागीय अधिकारियों को अपने कार्यालय के बाहर आसानी से दिखने वाले स्थान पर एक बोर्ड लगाना होगा। इस बोर्ड पर जनजातीय समुदाय के लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं के सुलभ क्रियान्वयन के लिये हेल्प डेस्क लिखा होगा। साथ ही इस डेस्क में पदस्थ सहायक का नाम एवं डेस्क का दूरभाष, मोबाइल नंबर भी इस बोर्ड में प्रदर्शित किया जायेगा। डेस्क का सहायक यहां आने वाले आदिवासी समाज के लोगों को उनके हित से संबंधित शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की अपडेट जानकारी देगा। साथ ही आवेदकों को समुचित मार्गदर्शन देकर उनसे आवेदन-पत्र भी प्राप्त करेगा।

भोपाल में पुलिस सुरक्षा में चलती है अनोखी पाठशाला

माइग्रेंट लेबर के 50 से अधिक बच्चों को पढ़ाने में जुटीं महिला एडवोकेट

भोपाल (नप्र)। कार के हॉर्न की आवाज सुनते ही मासूम चेहरे खिलखिला उठते हैं। यह दृश्य लालघाटी स्थित फ्लाई ओवर के नीचे दिखाई देता है, जहां माइग्रेंट लेबर के बच्चों को पढ़ाती हैं एडवोकेट विनीता सिंह। उन्होंने करीब 11 महीने पहले इस फ्लाई ओवर पाठशाला को शुरू किया था।

बताया कि यहां माइग्रेंट लेबर के बच्चे रहते हैं, जिन्हें वह पढ़ाती हैं। इस फ्लाई ओवर के नीचे हमने एक पूरा स्कूल बनाया हुआ है। यहां पर हम 20 से 50 बच्चों को रोजाना पढ़ाते हैं। यह बच्चे रोजाना हमारा इंतजार करते हैं। बता दें, इस इलाके में 50 से अधिक घुमक्कड़ जनजातीय लोग निवास करते हैं। जिनके करीब 70 से अधिक बच्चे इलाके में रहते हैं।

पहली बार राख के कोयले से कराई पढ़ाई- विनीता कहती हैं कि इसका आइडिया करीब साल भर पहले आया था, जब हम इस इलाके में एक सर्वे करने आए थे कि बच्चों के आधार कार्ड बने हैं कि नहीं बने। पता चला कि यहां किसी भी बच्चों का आधार कार्ड नहीं हैं, इसलिए वह पास के सरकारी स्कूल में

नहीं जा सकते हैं। वहीं एक बच्ची ने हमसे बड़ी भारी आवाज में कहा कि एक मैडम पहले भी आई थीं वह कहकर गईं थी कि वह हमें पढ़ाएंगी। मगर वह दोबारा कभी नहीं आई।

फिर हमने यहां के बच्चों को पहली बार राख के कोयले से फ्लाई ओवर के पिलर पर लिखकर पढ़ाया। तब हमने यहां के बच्चों के पढ़ाई को लेकर इंटरेस्ट भी देखा। जिससे हमें पता चला कि यह बच्चे पढ़ना चाहते हैं। जिसके बाद से हम रोजाना यहां बच्चों को पढ़ाते हैं।

पुलिस देती है सुरक्षा- विनिता कहती हैं कि इलाके में कई सारे असामाजिक व शरारती तत्व रहते हैं। इसको लेकर यहां पर कोहेफिजा पुलिस लगातार गश्ती करती है। जब हम बच्चों को पढ़ाते हैं तो पुलिस यहां आसपास मौजूद रहती है, ताकि यहां पर कोई शरारत या खलल ना हो, इसके अलावा पाठशाला के आसपास से पुलिस अतिक्रमण भी हटाती है, ताकि बच्चे यहां पर आसानी से पढ़ाई कर सकें। बता दें कि पुलिस यहां से लगातार अतिक्रमण तो हटवाती ही है साथ ही इलाके में मौजूद लोगों को बच्चों की पढ़ाई के लिए समझाइश भी देती है।

बच्चे खुद लगाते हैं क्लास का समान- इस पाठशाला में बच्चे खुद अपनी क्लास की तैयारी करते हैं। जैसे ही विनीता इन्हें पढ़ाने के लिए इलाके में आती हैं तो वह अपनी कार से हॉर्न देती हैं, जिसके बाद ये बच्चे जगह-जगह से निकलकर आते हैं।

बेसिक पढ़ाई के साथ देते हैं नैतिक शिक्षा

विनीता बताती हैं कि हम यहां पर बच्चों को बेसिक पढ़ाई के साथ-साथ नैतिक शिक्षा की पढ़ाई करवाते हैं। यहां हम बच्चों को क ख ग घ के अलावा ए बी सी डी सिखाते हैं। वहीं, हिंदी-अंग्रेजी के शब्दों के पर्यावाची व विलोम शब्द बताते हैं। हमारी कोशिश है कि हम रोजाना यहां पर बच्चों को इस तरह से पढ़ाई करवाएं ताकि इनको समझ आ सके।

बच्चों और परिवार वालों की काउंसिलिंग भी

विनीता कहती हैं कि हम बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ काउंसलिंग भी करवाते हैं। इसमें वे बच्चे शामिल हैं जो कि कई बार भीख मांगते हैं या बाल मजदूरी करते हैं या फिर किसी तरह का नशा करते हैं। ऐसे बच्चों को भी हम पढ़ाते हैं और उनकी काउंसिलिंग के अलावा उनके माता-पिता की भी काउंसिलिंग करते हैं। इससे की वह नशा छोड़कर हमारे साथ पढ़ाई करें।

भोपाल में बदमाश ने अपने दोस्त को गोली मारी

घायल बोला- वह मजाक कर रहा था, असल में फायर हो गया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार इलाके में निगरानी बदमाश ने युवक को गोली मार दी। गोली युवक के एक पांव में लगी है। इलाज के लिए उसे जेके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक की हालत खतरे से बाहर है। घायल ने बताया कि गोली चलाने वाला उसका दोस्त है। मजाक में पिस्टल लोड कर तानी थी, धोखे से फायर हो गया। इधर, पुलिस का कहना है कि घायल ने पहले तीन अज्ञात लोगों द्वारा गोली चलाने की बात कही थी। उसके बयानों की तस्दीक कर रहे हैं। इसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

टीआई संजय सिंह सोनी ने बताया कि अलताफ अली (20) पुत्र मुशताक अली निवासी गेहूंखेड़ा स्कूल वैन का चालक है। उसने बताया कि गुरुवार की सुबह दस बजे ललिता नगर में रहने वाले दोस्त के घर बाइक पर सवार होकर जा रहा था। तभी अज्ञात तीन युवक अपनी बाइक उसकी बाइक के करीब लाए।अलताफ की यह तस्वीर पुरानी है। दो दिन पहले उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस फोटो को अपलोड किया है। एक फायर किया, गोली उसके पांव में लगी इसके बाद फरार हो गए। हालांकि कुछ ही देर में अलताफ ने बयान बदल लिए और एक युवक द्वारा फायर किए जाने की बात कही। उसके बयानों की तस्दीक कराई जा रही है। जिसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

घायल बोला आंखों के सामने पिस्टल लोड की और फायर हो गया- घायल अलताफ ने बताया कि गेहूंखेड़ा स्थित घर से सुबह दोस्त राज सिंह राजपूत से मिलने निकला था। ललिता नगर स्थित उसके घर में गया तो उसने कहा कि रुक तुझे कुछ खास दिखाता हूं...अंदर से राज एक पिस्टल लेकर आया। उसके एक हाथ में गोली थी, मैंने पूछा यह क्या है..तब उसने बताया कि यह असली पिस्टल है।

इसी बीच उसने गोली को पिस्टल में भरा और लोड किया। मजाक में मेरे ऊपर ताना, हाथ नीचे करते ही गलती से फायर हो गया। गोली मेरे पांव में लगी। राज ही मुझे अस्पताल लेकर पहुंचा। एडमिट कराया और पुलिस को आता देख भाग गया।

आरोपी के पिता पर भी हैं अपराध दर्ज

अलताफ के मुताबिक आरोपी राज पर कोलार सहित अन्य थानों में केस दर्ज हैं। उसके पिता पर भी कई केस हैं, जो फिलहाल जिला बदर चल रहे हैं। अलताफ का कहना है कि राज की मुझे मारने की कोई मंशा नहीं थी। गोली धोखे में चली और मुझे लगी है।

संपादकीय

सुरक्षा पर सियासत

सारे राजनीतिक भेद-मतभेद जैसे अचानक ही खत्म हो गए। मंगलवार को जब पश्चिम बंगाल विधानसभा में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए अपराजिता विधेयक पेश किया गया, तो पक्ष-विपक्ष सब एक साथ खड़े दिखाई दिए। विधेयक को सर्वसम्मति से पास किया गया। ममता बनर्जी ने विपक्ष के विधायकों से कहा कि वे राज्यपाल से इस विधेयक को स्वीकृति देने का अनुरोध करें, ताकि इसे आगे राष्ट्रपति के पास भेजा जा सके। विपक्ष के नेता भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने तो राज्यपाल से इसकी अपील भी कर दी। पिछले कुछ दिनों में कोलकाता की सड़कों ने एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के बाद जिस तरह की राजनीति और गुंडागर्दी देखी है, उसके बाद इस तरह की आम सहमति एक उम्मीद बंधा सकती थी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। विधेयक भले ही सर्वसम्मति से पास हुआ हो, पर जिस तरह की राजनीति वहां दिखी, वह किसी भी तरह से आश्वस्त करने वाली नहीं थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो दूसरे राज्यों में हुए बलात्कारों की पूरी फेहरिस्त ही पेश कर दी। वह इतने पर ही नहीं रुकीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस तर्क के साथ इस्तीफे की मांग कर डाली कि वे महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम रहे हैं। याद रहे, भाजपा नेता कोलकाता अस्पताल बलात्कार और हत्या के मामले में कई दिनों से ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। सो, मुख्यमंत्री ने सोचा कि इसका राजनीतिक जवाब थोक भाव में इस्तीफे की मांग कर ही दिया जा सकता है। अब आते हैं अपराजिता विधेयक पर। निश्चित तौर पर इसमें कुछ बातें बहुत अच्छी हैं। यह विधेयक इसे स्पष्ट तौर पर कहता है कि अगर किसी का बलात्कार करके हत्या कर दी जाती है या फिर बलात्कारी उसे पूरी तरह अक्षम बना देता है, तो इसके दोषी को मृत्युदंड ही दिया जाना चाहिए। ठीक यहीं पर हमें थोड़ा रुककर 2012 के निर्भया कांड को याद कर लेना चाहिए, जिसके बाद बलात्कार से संबंधित कानूनों में बदलाव के लिए जस्टिस जेएस वर्मा आयोग की स्थापना हुई थी। इस आयोग ने बहुत बड़े विमर्श के बाद बहुत ही कम समय में अपनी रिपोर्ट दी थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। मगर क्या हुआ? अगर हम निर्भया कांड के दोषियों को छोड़ दें, तो बाद में किसी भी बलात्कारी को कभी मृत्युदंड नहीं दिया गया। इस विधेयक में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर किसी को बलात्कार के लिए आजीवन कारावास होता है, तो उसे इस सजा के दौरान किसी भी तरह की पेरोल या फरलो नहीं दी जाए। हाल-फिलहाल के बहुत सारे संदर्भ बताते हैं कि कानून में इस तरह के प्रावधान कितने जरूरी हैं। कानूनों में खामियां हो सकती हैं, लेकिन उससे ज्यादा खतरनाक है बलात्कार पर होने वाली राजनीति। राजनीति में बलात्कार को अक्सर राजनीतिक औजार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। जो कोलकाता के कांड पर हल्ला मचा रहे हैं, वे बदलापुर की घटनाओं पर चुप्पी लगा जाते हैं और जो बदलापुर पर चिल्ला रहे हैं, वे कोलकाता की वारदात पर कुछ नहीं बोलते। बलात्कार की हर वारदात के बाद जनता का गुस्सा राजनीति के इन आरोपों-प्रत्यारोपों के आगे दम तोड़ देता है। बलात्कार पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसे लेकर कोई आम सहमति बनाने की कोशिश क्यों नहीं होती?

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

सामूहिक प्रयास से ही मिलेगी भिक्षावृत्ति से मुक्ति

भारत में बढ़ती भिक्षावृत्ति चिंताजनक अवस्था में पहुँच चुकी है. भिक्षावृत्ति के पीछे गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा, बीमारी, सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन आदि वजहें हैं. निःशक्त लोगों, महिलाओं और बच्चों का भीख मांगने को लेकर भयानक शोषण हो रहा है. गरीबी को भिक्षावृत्ति का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है. आर्थिक रूप से कमजोर लोगों में गरीबी के साथ भुखमरी की समस्या जुड़ी होती है तो गरीबी और भुखमरी अलग-अलग करके आज नहीं देखी जा सकती. संयुक्त राष्ट्र-एफएओ के 2024 के ही आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में 733 मिलियन लोग जो की भुखमरी का सामना कर रहे हैं, उन पर संयुक्त राष्ट्र चिंतित है. सबसे अहम् बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य के 17 एजेंडे हैं, उसमें गरीबी और भुखमरी को शून्य करने का लक्ष्य प्रमुख प्रथम दो लक्ष्यों में सम्मिलित है. ऐसे में, लोग जो भिक्षावृत्ति से अपने जीवन-यापन कर रहे हैं उनकी संख्या भारत में लाखों में है. भिक्षावृत्ति को एकमात्र आय का स्रोत बना रहे लोगों में वास्तविक भिखारी और प्रोफेशनल लोगों द्वारा तैयार किये जा रहे भिखारी देश की चिंता के कारण बनते जा रहे हैं.

देश का राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग इस समय भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए पुरजोर कोशिश कर रहा है. एनएचआरसी, भारत ने भिक्षावृत्ति को रोकने और भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए चिंतित है. आयोग भारतीय भिखारियों के डेटाबेस को लेकर केवल चिंतित नहीं है अपितु उसकी मंशा है कि भारत के लोग भीख मांग रहे लोगों को इस दलदल से निकालें. निःसंदेह एनएचआरसी की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती विजया भारती सयानी और महासचिव भरतलाल के इनिशिएटिव की प्रशंसा की जानी चाहिए क्योंकि वे यह चाहते हैं कि देश को इस अफसोसजनक समस्या से निजात दिलाया जाए.

आज जब आमतौर पर चकाचौंध से भरा, तेज़ रफ़्तार ज़िन्दगी वाला शहर भाग रहा है. भारतीय आबादी का एक ऐसा भी हिस्सा है जो लगभग रंग-बिरंगी रौशनी से सराबोर है. ये शहर लज़ीज़ भोजन परोसने वाले बहुत से रैस्तराँ, महंगी कारें और रिक्शाओं की क़तारें लिए खड़े हैं. संस्कृति फ़ैशन में सिमटने लगी है तो वहीँ झुग्गी-झोपड़ियाँ अपने गरीब और भुखमरी की आबादी लिए खड़ी हैं. आदिवासी जंगल में शहद व दूसरे औषधीय सामग्रियों के साथ ठगे जा रहे हैं और गरीब जीवन जी रहे हैं तो यह सारे लोग भारत के विकासशील से विकसित होने की बात पर प्रश्नचिन्ह हैं. हिंदुस्तान की एक स्थिति जब आज़ादी मिली थी, वह कुछ और थी. भारी संख्या में आये शरणार्थी लोगों के जीवन की दुर्दशा कुछ भी करने के लिए मजबूर कर रही थी. अब आज़ादी के 75 वर्ष बाद जिन वर्षों को हमने अमृतकाल कहा, उसके बाद के वर्ष में यदि भारत के राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और मानवतावादियों की चिंता भिखारीजन बने हुए हैं तो, यह एक चुनौती भी है हमारे देश के लिए.

मुझे वह दी याद आ रहा है उन दिनों इनके बच्चे सुबह हल्की धूप व ओस के साथ ही भैरवबाबा के मंदिर पर अपने चंगेली व कुछ फटे-पुराने कपड़ों वाले लिवास में भीख मांगने निकले बच्चों की झुण्ड. सड़कों पर घूमते हुए मुस्लिम समाज लोगों के बच्चे से जब पूछा था उन दिनों की तुम सब कहाँ जा रहे हो तो वे यही बोले थे मांगने. वे भीख मांगने के लिए भैरव बाबा के स्थान पर जा रहे थे. ये बच्चे पखिया समाज के थे. पखिया लोगों का 30 परिवार आज भी पैकौली गाँव में रहता है. सबसे बड़ी बात यह थी की इनके माँ-पिता का भीख मांगने के लिए सहमति ही नहीं देते थे अपितु इन्हें तो जबरन इस काम के लिए भेजते भी थे. इनके पढ़ाई के लिए मौलबी की व्यस्था करना व इन्हें इस काम से मुक्त कराना हमारे लिए मुख्य चिंता हो गई थी. दुखद यह है कि आज भी ऐसे बच्चे भीख मांगते हुए हमें मंदिरों, मेलों, दुकानों और शहरी इलाकों में मिलते हैं. आज जब भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की सिफारिश कर रहा है कि भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाया जाए तो मुझे वह पुरानी यादें ताजा हो आई हैं. आयोग का यह बड़ा साहस ही है कि वह भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश कर रहा है जिससे लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण, रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने व क्रियान्वित करने का उसका अब लक्ष्य बन गया है. आयोग चाहता है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू हो. संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त हो. आयोग का सुझाव आया है कि भिखारियों की अधिकता वाले क्षेत्रों की पहचान और मानचित्रण किया जाये, व्यापक डेटाबेस बनाने के लिए भिखारियों का सर्वेक्षण किया जाए, राज्य सरकारें सभी भिखारियों को आधार कार्ड जारी करने की दिशा में काम करें जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और लाभों तक पहुँच में आसानी बन सके. आयोग की मंसा स्पष्ट है कि भिक्षावृत्ति को अपराध से मुक्त किया जाना चाहिए, क्योंकि दंडात्मक उपायों और पुनर्वास प्रयासों को प्रभावी ढंग से जोड़ा नहीं जा सकता, भिखारियों का समरूप समूह नहीं हैं, इसलिए, उनके लिए पहल उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जानी चाहिए.

सुझाव के इस अहम हिस्से को यदि भारत की राज्य सरकारें मानें तो मूलभूत परिवर्तन आने वाले समय में दिख सकता है. जैसा कि एनएचआरसी की कार्यवाहक अध्यक्ष, श्रीमती विजया भारती सयानी ने कहा भी कि आर्थिक प्रगति और कई सरकारी पहलों के बावजूद भिक्षावृत्ति का निरंतर जारी रहना देश में गहरी सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दर्शाती है और साथ ही महासचिव, श्री भरत लाल की इच्छाशक्ति से निकले आशा से भरे शब्द हैं कि यदि देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न मिल सकता है, तो भिक्षावृत्ति में लिप्त लगभग 4 लाख व्यक्तियों का पुनर्वास भी मुश्किल नहीं होना चाहिये, ये दोनों वक्तव्य हमारे देश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं. चिंताओं के साथ आशाएं जो इन वक्तव्यों से निकली हैं, वह चैन की सांस लेने के लिए काफी हैं. राज्य सरकारें और राज्य मानव अधिकार आयोग भी इस भीख-मुक्ति का संकल्प लेकर आगे बढ़ें तो निःसंदेह भारत भिखारियों व भिखारियों की समस्या से निजात पा लेगा.

भिक्षावृत्ति पर निर्भर समाज से मुक्ति के बाद ही भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में पहुँच सकता है, इसे भी अब स्वीकार करने की आवाश्यकता है. इसके लिए देश भर में बच्चों, स्त्रियों, अपंगों द्वारा भिक्षावृत्ति के काम में लगे लोगों को चिन्हित करना सरकारों की पहली जिम्मेदारी है. जो बच्चे भिक्षावृत्ति के शिकार हैं, जो बच्चियां व स्त्रियाँ इस काम लगी हैं या जो वृद्धजन अपंग लोग भिक्षावृत्ति के काम में लगे व लगाए गए हैं, वे नहीं चाहते की उन्हें भीख माँगना पड़े. भिक्षा मांगने वालों में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बीमारी, चोट, अपंगता, एक्सीडेंट में घायल हुए हैं वे बहाना बनाकर, अपनी लाचारी दिखाकर भिक्षा मांगते हैं. इसके अलावा कुछ संगठित गिरोह जो पैसों के लालच में गरीबों और लाचारों से जबरदस्ती भीख मंगवाते हैं, उनका यदि चिन्हीकरण कर लिया जाये तो इसमें कमी आ सकती है. सामाजिक-आर्थिक असमानताओं की दुहाई देते संगठन व सरकारें बेबस लगते हैं जब महिलाएँ, बच्चे, ट्रांसजेंडर और बुजुर्ग भीख मांगने में शामिल हुए मिलते हैं या जीवनयापन के लिए भीख माँगने को मजबूर दिखते हैं.

विजया भारती सयानी चाहती हैं कि सम्मान, आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर पड़े व्यक्तियों के हितों पर बात हो, भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास की बात हो तो उसे आज से ही अमल में लाने की आवश्यकता है. यदि समय रहते भिक्षावृत्ति से मुक्ति के उपाय देश कर ले तो न कोई हमारे देश में भिखारी होगा न भीख मांगने वालों पर लगने वाले आपराधिक लांक्षन होंगे. अब देखना यह है कि राज्य सरकारें, सेवाभावी संगठन, भीख जैसी समस्या से मुक्ति चाहने वाले लोग इस दिशा ममें कितना सक्रिय होकर इसे मिटाने का यत्न करते हैं. यह समझना होगा कि यह काम केवल राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का नहीं है अपितु पूरे देश के सामूहिक चेतना व नागरिकों की गंभीरता का भी है.

न्याय व्यवस्था

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कार्य संस्कृति बदलें तो जल्दी हो न्याय

जिला न्यायालयों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन दिवस पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने लंबित मुकदमों और न्याय में देरी का उल्लेख करते हुए न्यायालयों को 'तारीख पर तारीख' देने और स्थगन की संस्कृति बदलने की नसीहत दी है। इस कारण लंबित मुकादमों की संख्या अदालतों में बढ़ती जाती है। यह संख्या नीचली अदालतों से लेकर उच्च और सर्वोच्च न्यायालय तक में है। विडंबना है कि इस विषय पर खूब चर्चा होती है, चिंता जताई जाती है, लेकिन समस्या के समाधान के लिए ठोस पहल न सरकार के स्तर पर होती है और ना ही न्यायालयों के स्तर पर? वस्तुतः समस्या यथावत बनी रहती है। राष्ट्रपति ने अपने उद्बोधन में श्वेत और काले कोट का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह से सफेद कोट पहने डॉक्टर को देख रोगी का बीवी बढ़ जाता है, उसी तरह आम आदमी अदालत में काले कोटों को देखकर घबरा जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंदचूड़ ने स्पष्टीकरण दिया कि 28 प्रतिशत जजों और 27 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी हैं। त्वरित न्याय के लिए इन कमियों की पूर्ति जरूरी है।

हमारे यहां संख्या के आदर्श अनुपात में कर्मचारियों की कमी का रोना अक्सर रोया जाता है। ऐसा केवल अदालत में हो,ऐसा नहीं है। पुलिस,शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध न कराने का यही बहाना है। जजों की कमी कोई नई बात नहीं है, 1987 में विधि आयोग ने हर 10 लाख की आबादी पर जजों की संख्या 10 से बढ़ाकर 50 करने की सिफारिश की थी। फिलहाल यह संख्या 17 कर दी गई है। अदालतों का संस्थागत ढांचा भी बढ़ाया गया है। उपभोक्ता, परिवार और किशोर न्यायालय अलग से अस्तित्व में आ गए हैं। फिर भी काम संतोषजनक नहीं है। उपभोक्ता अदालतें अपनी कार्य संस्कृति के चलते अब बोझ साबित होने लगी हैं। बावजूद औद्योगिक घरानों के वादियों के लिए पृथक से वाणिज्य न्यायालय बनाने की पैरवी की जा रही है।

अलबत्ता आज भी ब्रिटिश परंपरा के अनुसार अनेक न्यायाधीश ग्रीष्म ऋतु में छुट्टियों पर चले जाते हैं। सरकारी नौकरियों में जब से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हुआ है, तब से हरेक विभाग में महिलाकर्मियों की संख्या बढ़ी है। इन महिलाओं को 26 माह के प्रसूति अवकाश के साथ दो बच्चों की 18 साल की उम्र तक परवरिश के लिए दो वर्ष का 'चाइल्ड केयर अवकाश' भी दिया जाता है। अदालत से लेकर अन्य सरकारी विभागों में मामलों के लंबित होने में ये अवकाश एक बड़ा कारण बन रहे हैं। इधर कुछ समय से लोगों के मन में यह भ्रम भी पैठ कर गया है कि न्यायपालिका से डंडा चलवाकर विधायिका और कार्यपालिका से छोटे से छोटा काम भी कराया जा सकता है। इस कारण न्यायालयों में जनहित याचिकाएं बढ़ रही हैं,जो न्यायालय के बुनियादी कामों को प्रभावित कर रही हैं। जबकि प्रदूषण, यातायात, पर्यावरण और पानी जैसे मुद्दों पर अदालत की दखल के बावजूद इन क्षेत्रों में बेहतर स्थिति नहीं बनी है।

न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो सजा मिलने से पहले किसी को अपराधी न माना जाए,दूसरे आरोप का सामना कर रहे व्यक्ति का फैसला तय समय-सीमा में हो। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे यहां ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। इसकी एक वजह न्यायालय और न्यायाधीशों की कमी जरूर है,लेकिन यह आंशिक सत्य है, पूर्ण नहीं मुकदमों को लंबा खिंचने की एक वजह अदालतों की कार्य-संस्कृति भी है। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायमूर्ति राजेंद्रमल लोढ़ा ने कहा भी था 'न्यायाधीश भले ही निर्धारित दिन ही काम करें, लेकिन यदि वे कभी छुट्टी पर जाएं तो पूर्व सूचना अवश्य दें। ताकि उनकी जगह वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके।' इस तथ्य से यह बात सिद्ध होती है कि सभी अदालतों के न्यायाधीश बिना किसी पूर्व सूचना के आकस्मिक अवकाश पर चले जाते हैं। गोया, मामले की तारीख आगे बढ़ानी पड़ती है। इन्हीं न्यायमूर्ति ने कहा था कि 'जब अस्पताल 365 दिन चल सकते हैं तो अदालतें क्यों नहीं?' यह बेहद सटीक सवाल था। हमारे यहां अस्पताल ही नहीं,राजस्व और पुलिस विभाग के लोग भी लगभग 365 दिन ही काम करते हैं। किसी आपदा के समय इनका काम और बढ़ जाता है। इनके कामों में विधायिका और खबरपालिका के साथ समाज का दबाव भी रहता है। बावजूद ये लोग दिन-रात कानून के पालन के प्रति सजग रहते हैं। जबकि अदालतों पर कोई अप्रत्यक्ष दबाव नहीं होता है।

यही प्रकृति वकीलों में भी देखने में आती है। हालांकि वकील अपने कनिष्ठ वकील से अकसर इस कमी की वैकल्पिक पूर्ती कर लेते हैं। लेकिन वकील जब प्रकरण का ठीक से अध्ययन नहीं कर पाते अथवा मामले को मजबूती देने के लिए किसी दस्तावेजी साक्ष्य को तलाश रहे होते हैं तो वे बिना किसी ठोस कारण के तारीख आगे खिसकाने की अर्जी लगा देते हैं। विडंबना है कि बिना कोई ठोस पड़ताल किए न्यायाधीश इसे स्वीकार भी कर लेते हैं। तारीख बढ़ने का आधार बेवजह की हड़तालें और न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं के परिजनों की मौतें भी हैं। ऐसे में श्रद्धांजली सभा कर अदालतें कामकाज को स्थगित कर देती हैं। जबकि इनसे बचने की जरूरत है। लिहाजा कड़ाई बरतते हुए कठोर नियम-कायदे बनाने का अधिकतम अंतराल 15 दिन से ज्यादा का न हो,दूसरे अगर किसी मामले का निराकरण समय-सीमा में नहीं हो पा रहा है तो ऐसे मामलों को विशेष प्रकरण की श्रेणी में लाकर उसका निराकरण त्वरित और लगातार सुनवाई की प्रक्रिया के अंतर्गत हो। ऐसा होता है, तो मामलों को निपटाने में तेजी आ सकती है। ऐसी ही सोच के चलते मुख्यमंत्रियों और न्यायाधीशों के एक सम्मेलन में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एचएल दत्तू ने कहा था, 'हम पूरी कोशिश करेंगे कि अदालतों में कोई भी मुकदमा पांच साल से ज्यादा न खिंचे।' यह न्याय प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण था। लेकिन हाल ही में हमने देखा कि अजमेर की अदालत में 32 साल बाद छह दोषियों को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई है। यानी निचली अदालत में ही एक मामले के निराकरण में 32 साल लग गए। इसके आगे उच्च और सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।

कई मामलों में गवाहों की अधिक संख्या भी मामले को लंबा खींचने का काम करती है। ग्रामीण परिवेश और बलवों से जुड़े मामलों में ऐसा अक्सर देखने में आता है। इस तरह के एक ही मामले में गवाहों की संख्या 50 तक देखी गई है। जबकि घटना के सत्यापन के लिए दो-तीन गवाह पर्याप्त होते हैं। इतने गवाहों के बयानों में विरोधाभास होना संभव है। इसका लाभ फरियादी की बजाय अपराधी को मिलता है। इसी तरह चिकित्सा परीक्षण से संबंधित चिकित्सक को अदालत में साक्ष्य के रूप में उपस्थित होने से छूट दी जाए। क्योंकि चिकित्सक गवाही देने से पहले अपनी रिपोर्ट को पढ़ते हैं और फिर उसी इबारत को मुंहजबानी बोलते हैं। लेकिन ज्यादातर चिकित्सक अपनी व्यस्तताओं के चलते पहली तारीख को अदालत में हाजिर नहीं हो पाते, लिहाजा चिकित्सक को साक्ष्य से मुक्त रखना उचित है। इससे रोगी भी स्वास्थ्य सेवा से वंचित नहीं होंगे और मामला बेवजह लंबित नहीं होगा। एफएसएल रिपोर्ट भी समय से नहीं आने के कारण मामले को लंबा खींचती है। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं की कमी होने के कारण अब तो सामान्य रिपोर्ट आने में भी एक से डेढ़ साल का समय लग जाता है। प्रयोगशालाओं में ईमानदारी नहीं बरतने के कारण संदिग्ध रिपोर्टें भी आ रही हैं। लिहाजा इन रिपोर्टों की क्या वास्तव में जरूरत है,इसकी भी पड़ताल जरूरी है ?

अदालतों में मुकादमों की संख्या बढ़ाने में राज्य सरकारों का रवैया भी जिम्मेवार है। वेतन विसंगतियों को लेकर एक ही प्रकृति के कई मामले ऊपर की अदालतों में विचाराधीन हैं। इनमें से अनेक तो ऐसे प्रकरण हैं, जिनमें सरकारें आदर्श व पारदर्शी नियोक्ता की शर्तें पूरी नहीं करतीं हैं। नतीजतन जो वास्तविक हकदार हैं,उन्हें अदालत की शरण में जाना पड़ता है। कई कर्मचारी सेवानिवृति के बाद भी बकाए के भुगतान के लिए अदालतों में जाते हैं। जबकि इन मामलों को कार्यपालिका अपने स्तर पर निपटा सकती है। हालांकि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सीधा संबंध विचाराधीन कैदियों की तदाद बढ़ाने से नहीं है, लेकिन अदालतों में प्रकरणों की संख्या और काम का बोझ बढ़ाने का काम तो ये मामले करते ही हैं। इसी तरह पंचायत पदाधिकारियों और राजस्व मामलों का निराकरण राजस्व न्यायालयों में न होने के कारण न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है। जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और बिजली बिलों का विभाग स्तर पर नहीं निपटना भी अदालतों पर बोझ बढ़ा रहे हैं। कई प्रांतों के भू-राजस्व कानून विसंगतिपूर्ण हैं। इनमें नाजायज कब्जे को वैध ठहराने के उपाय हैं। जबकि जिस व्यक्ति के पास दस्तावेजी साक्ष्य हैं, वह भटकता रहता है। इन विसंगतिपूर्ण धाराओं का विलोपीकरण करके अवैध कब्जों से संबंधित मामलों से निजात पाई जा सकती है। लेकिन नौकरशाही ऐसे कानूनों का वजूद में बनाए रखना चाहती है, क्योंकि इनके बने रहने पर ही इनके रौब-रुतबा और आर्थिक हित सुनिश्चित रहते हैं।

हनी ट्रेप के मनोविज्ञान को समझें, बचाव आसान होगा

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक और स्तंभकार हैं।

हनी ट्रैप के मामले व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व की मनोवैज्ञानिक कमियों का लाभ उठाने पर आधारित होते हैं, विशेषतः भावनात्मक आवश्यकताओं और इच्छाओं से जुड़ी कमजोरियों का। रोमांटिक या यौन संबंध बनाने का लालच देकर करके लाभ उठाना पूरे स्कैम के कोर में होता है। हनी ट्रैप के मनोविज्ञान को मैं विस्तार से समझाने का प्रयास कर रहा हूं।

साइकोलॉजिकल फैक्टर्स जैसे विपरीत लिंग से जुड़ने की आसक्तिः

कई लोगों को रोमांटिक या भावनात्मक संबंधों की तीव्र इच्छा होती है। स्कैमर्स आपमें अपनेपन और भावनात्मक रिश्ते का भ्रम पैदा करके आपका लाभ उठाते हैं।

वैलीडेशन का लालचः स्केमर्स अक्सर ऐसे व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं जो इनसिक्योर महसूस कर सकते हैं या वैलिडेशन (मान्यता) की तलाश में हैं। प्रशंसा और चापलूसी विक्टिम्स को विशेष महसूस करवाकर उनकी आत्म मुग्धता को पोषण देते हैं।

विश्वसनीय बनने की कलाः स्कैमर्स अक्सर वास्तविक प्रतीत होने वाली बातचीत से शुरू होता है जो विश्वास पैदा करता है। एक बार विश्वास स्थापित हो जाने पर, स्कैमर्स गिव एंड टेक की रणनीति का उपयोग कर सकता है - ट्रैप्ड के लिए कुछ ऐसा करना जिससे वे एहसान वापस करने के लिए बाध्य महसूस करें।

इमोशनल मैनिपुलेशनः एक मनगढ़ंत परिस्थिति बनाकर जो सहानुभूति का रवैया उत्पन्न करती है, स्कैमर्स, ट्रैप्ड को जल्दबाजी में निर्णय लेने या पैसे देने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

त्रुटि पूर्ण बिलीफ सिस्टम का फायदाः घोटालेबाज विभिन्न पूर्वाग्रहों का लाभ उठाते हैं, जैसे कि अभी देते जाओ शायद कल सब ठीक हो जाए। कई बार ये भी सोचना कि इतना लॉस हो चुका थोड़ा और सही।

इन सब मामलों में जागरूकता और विवेक एक मात्र विकल्प है। कई बार हमारे पास ट्रेप्ड व्यक्ति हताशा,कुंठा और आत्महत्या तक के विचार लिए हुए आते हैं। परेशानी बढ़ने पर उचित संवाद और कानून की मदद लेने से हिचकना नहीं हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जेल जाने के फायदे

जेल जाने के फायदे इतने हैं कि आजकल जेल जाने की होड़ सी मची हुई है। एक सोचता है कि वह जेल चला गया तो मैं क्यों पीछे रहूं? इससे भ्रष्टाचार बढ़ता है और भ्रष्टाचार से होने वाले लाभों से तो आज हम सब परिचित हैं। तिहाड़ जेल तो मानो मंदिर बन गई हे, जहां बड़े-बड़े वीवीआईपी डेरा डाले हुये हैं। कई बार तो मुझे वहम होता है कि भगवान श्री कृष्ण का जन्म तिहाड़ जेल में ही तो नहीं हुआ था? जेल जाने से व्यक्तित्व का विकास होता है और वह नये कृतित्वों की तरफ अग्रसर होता है। जेल जाना तीर्थयात्रा के समान है। अब आदमी जेल से लौटता है तो उसका सार्वजनिक अभिनंदन होता है। चुनाव में टिकिट मिलता है और चुनाव जीतकर व्यक्ति सांसद या विधायक का पद सुशोभित करता है। फिर इन्हीं में से देश को मंत्री और मुख्यमंत्री मिलते हैं। कई महारथी तो ऐसे हैं, जो हमारे यहां जेल से ही चुनाव जीत जाते हैं। इन कर्णधारों व भाग्यविधाताओं से ही देश चल रहा है।

जेल में जाने से बाल भी बांका नहीं होता बल्कि जीवन का बाल-बाल संवर जाता है। घर में रोटी, कपड़ा और मकान की समस्या नहीं रहती। यह सारी व्यवस्था सरकार जेलयात्री को स्वयं प्रदान करती है। चोरी, डकैती, गबन, घोटाला और भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने से आर्थिक लाभ होता है और अर्थलाभ आज की दुनिया में सर्वोपरी है। आजकल भ्रष्टाचारी भी कम नहीं हैं, वे लाखों में नहीं, हजारों करोड़ों में हाथ साफ करता है। लोग हालांकि इसे काला कारनामा बताते हैं लेकिन मैं नहीं मानता, क्योंकि भ्रष्टाचारी सदैव सफेदपोश रहता है। मुसकान उसके चेहरे पर चिपकी रहती है और वह दनादन नोट छापता है और यह बात फायदे की श्रेणी में है।

एक बार जेल जाने का सुख मुझे भी मिलने वाला था, लेकिन भगवान की कृपा हुई और मैं बच गया। डिपार्टमेंटल इनक्वायरी से ही बात टल गई। सच कहूं तो मैं भी छोटा-मोटा भ्रष्टाचारी हूं ही। मौका पाते ही जितना कुछ संभव होता है, उस पर हाथ साफ कर देता हूं। जेल जा आता तो उससे दिल और खुल जाता और मैं आगे नये पायदानों पर कदम बढ़ाता। पिताजी थोड़े पुराने खयालों के हैं, वे अक्सर कहते रहते हैं कि सब कुछ करो, लेकिन सावधानी से करो। जेल जाना ठीक नहीं है। अब मेरे पिताजी को कौन समझाये कि जेल जाना माल मारने के लिए कितना असेंशियल हो गया है। पिताजी जब पटवारी थे, तब चार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गये थे और पूरे पांच साल निलंबित रहे थे। इसलिए वे भ्रष्टाचार में सावधानी पर जोर देते हैं।

आज की तारीख में जेलों में जाकर देखो तो हजारों सफेदपोश कैद हैं और वहां भी सारी सुख-सुविधाओं का भोग कर रहे हैं। जेल प्रशासन भी हाड-मांस का बना है, उसे भी भूख लगती है और वे अपनी भूख इन्हीं भ्रष्टाचारियों के आसरे शांत करते हैं। इसलिए जेल जाने से डरना नहीं चाहिए। जेल जाने के फायदे एक नहीं, अनेक हैं।

शिक्षा

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

सचमुच शिक्षक कभी मन से रिटायर नहीं होते

इस साल शिक्षक दिवस ऐसे समय आया जब शिक्षा को लेकर देश की संसद,शिक्षाविदों, शिक्षकों और अभिभावकों समेत विभिन्न फोरम पर शिक्षा खास तौर पर प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर विमर्श चल रहा है। एक तरफ नई शिक्षा प्रणाली के अमल पर बात हो रही है तो दूसरी ओर सुदूर गांव देहातों में प्राथमिक विद्यालय भवनों की जीर्ण शीर्ण हालत तो कहीं शिक्षकों की कमी सामने आ रही है। शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों का आचरण व्यवहार और शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के साथ अशालीन तरीके से पेश आने, अकारण दंडित करने की खबरें भरी पड़ी है। भले ही अपवाद स्वरूप हो लेकिन ऐसी स्थिति निर्मित हुई है जो चिंताजनक है।

शिक्षा के दान को बड़ा पुण्यकारक माना जाता है और विद्यालयों को शिक्षा के मंदिर। समाज में शिक्षकों को सम्मान के साथ गुरुजन का स्थान हासिल है। इस साल भी शिक्षकों को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। सरकार के साथ संस्थाएं भी शिक्षक दिवस पर ऐसे आयोजन में पीछे नहीं रहती। खैर, शेष शिक्षकों को भले ही सम्मान ना भी मिले लेकिन इससे उनकी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका कम नहीं आकी जा सकती। जैसे कुम्हार मिट्टी के घड़े या किसी अन्य बर्तन को बड़े जतन से गढ़ता है उसी तरह शिक्षक अपने विद्यार्थी को कोरी स्लेट से पढ़ने समझने और जीवन में आगे कुछ कर गुजरने लायक बनाता है। इसीलिए कहा जाता है कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता क्योंकि यह उनका प्रोफेशन ही नहीं बल्कि ऐसी सेवा है जो अमूल्य होती है।

शिक्षक दिवस से कुछ दिन पूर्व का एक सरकारी आदेश बड़ा ही हास्यास्पद प्रतीत होता है। इसमें कहा गया है कि शिक्षकों की ड्यूटी गैर शैक्षणिक कार्य में ना लगाई जाये। स्कूल शिक्षा विभाग की आयुक्त ने नाराज़गी जताते हुए कहा है कि बार-बार आदेश जारी किये जाने के बावजूद इस पर अमल नहीं किया जा रहा है। यहाँ तक कहा गया है कि इन्हें गैर शैक्षणिक कार्य में लगाया तो संबंधित पर कार्रवाई की जायेगी। इस निर्देश के बावजूद इंदौर जिले में हाल ही में निर्वाचन आयोग का हवाला देते हुए बीएलओ के माध्यम से निर्वाचक नामावली के विशेष पुनरीक्षण कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। एक शिक्षक ने बताया कि बीते गर्मी के मौसम में उनकी ड्यूटी इस बात का सर्वे करने में लगाई गई कि शहर की बस्तियों में कितने निरक्षर हैं। इस काम में और भी शिक्षकों अन्य कर्मियों को लगाया गया होगा लेकिन फिर बच्चों की पढ़ाई का क्या होगा। आने वाले वक्त में चार साल विलंब से होने वाली जनगणना कभी भी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो उन्होंने तो संभावित तारीखें भी घोषित कर अगले महीने से ही जनगणना जैसे राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत की बात की है। सोचें, बगैर शिक्षकों के योगदान के यह अभियान भी पूरा कैसे हो सकता है।

शिक्षा में सुधार और गुणवत्ता की बात बड़े जोरशोर से की जाती है। जमीनी हालात यह है कि नई शिक्षा नीति के तहत बनाये गये करिकुलम के हिसाब से एनसीईआरटी को कक्षा 3 और 6 की किताबें सत्र 24-25 के लिये उपलब्ध कराना थी। कक्षा 3 की किताबें अप्रैल मई तक उपलब्ध नहीं थी जो अब मिल पा रही है लेकिन कक्षा 6 की किताबें अगस्त के दूसरे सप्ताह तक उपलब्ध नहीं थी। ऐसी विसंगतियां शिक्षा के प्रति हमारे रवैये को दर्शाती है।

वैसे शिक्षा को लेकर सरकारें, केन्द्र की हो या राज्यों की बड़ी गंभीर नजर आती है। पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया के अंतर्गत बड़ी संख्या में स्कूलों को एनईपी की मूल कल्पना को मूर्त रूप देने मॉडल स्कूलों में विकसित करना है। सरकारी आंकड़ों की माने तो पिछले एक दशक में स्कूल शिक्षा का बजट 40 फीसदी बढ़ने का दावा किया जा रहा है। जबकि इस साल जुलाई में पेश केन्द्रीय बजट में शिक्षा के बजट में कटौती की बात सामने आई। पीएमश्री योजना की तर्ज पर मध्यप्रदेश में सीएम राइजिंग स्कूल भी संचालित किये जा रहे हैं। पूर्व से जवाहर नवोदय विद्यालय भी चल रहे हैं। शिक्षा ही इन एक समान कोशिशों का उद्देश्य है तो नाम बदलकर नये नये प्रयोग नवाचार के नाम पर क्यों किये जा रहे हैं, यह समझ से परे है।

ऐसे में कुछ अच्छी खबरें शिक्षा के महत्व को दर्शाते हुए उत्साह बढ़ाने वाली कही जा सकती है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में 'आपका अच्छा गांव' मुहिम में गांव में मूलभूत सुविधाओं के पहुंचने से नक्सली गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक बस्तर के 50 गाँवों में विकास के जरिये नक्सली गतिविधियों को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उधर देश की पहली स्किल सेंसस, कौशल जनगणना आंध्रप्रदेश में शुरु की जा रही है। इससे राज्य में मौजूद शिक्षित और अशिक्षित युवाओं के हुनर की पहचान कर उसके मुताबिक युवाओं को काम दिलाने का इरादा है। इंदौर की संस्था मातृभूमि, मानवता की पहचान द्वारा बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों के बच्चों के पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाई जा रही है। बच्चों को छात्रवृत्ति से लेकर यूनिफॉर्म और कॉपी किताबों का वितरण भी संस्था द्वारा किया जा रहा है। ऐसे प्रेरक उदाहरण अन्य जगहों पर भी होंगे।

दूसरी ओर कुछ उदाहरण इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि धरातल पर वास्तविक रूप से शिक्षा व्यवस्था के क्या हाल है। आखिर हम नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं जिन पर देश का आने वाला भविष्य निर्भर है। ये कैसे संस्कार दिये जा रहे हैं कि मान सम्मान तो दूर छात्र, शिक्षकों पर हाथ उठाने पर उतारू हो जाते हैं तो कहीं कतिपय शिक्षकों का विद्यार्थियों के साथ अशालीन व्यवहार की बात सामने आती है।

जब यह आलेख तैयार किया जा रहा है तब मेरे समक्ष देश भर में घटी ऐसी अनेक घटनाओं की सूची है जो ऐसे उदाहरण से भरी हुई है। यहां हम कुछेक का जिक्र अवश्य करेंगे। उत्तर प्रदेश के एक जिले के कलेक्टर किसी स्कूल का औचक निरीक्षण करने पहुंचते हैं। यहाँ तक तो ठीक है लेकिन वे बच्चों की कापियां चेक करते हुए वहां के शिक्षकों को ही पढ़ाने लग जाते हैं। यही नहीं शिक्षक उनके सामने खड़े रहकर किसी फरियादी की तरह दिखते हैं। ऐसे अधिकारी यह कैसे भूल जाते हैं कि वे जिस कुर्सी पर बैठे हैं उस तक पहुंचाने में भी किसी शिक्षक का ही योगदान है जो भुलाया नहीं जाना चाहिये। तस्वीर का दूसरा रूप यह है कि एक स्कूल के शिक्षक डयूटी पर इतना नशा करके आये कि फर्श पर ही लोट-पोट हो गये। किसी स्कूल में पढ़ाई के बजाय मोबाइल देखने और मारपीट के दृश्य दिखाई देते हैं जो निश्चित ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

छात्र संख्या के अनुपात में स्कूलों में शिक्षकों की कमी का सिलसिला कब खत्म होगा कहना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश के लगभग 69 हजार शिक्षकों की भर्ती की सूची को न्यायालय की रोक के बाद निरस्त कर नये सिरे से सूची तैयार करने के आदेश हुए हैं। उधर गुजरात के प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों में 39 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। वहां की सरकार ने घोषणा की है कि शिक्षकों की भर्ती तीन महीनों में कर ली जायेगी। मध्यप्रदेश भी इसमें पीछे नहीं है जहां आये दिन स्कूलों में भवनों की कमी, उनकी जीर्ण शीर्ण हालत, एक ही जगह पर अलग-अलग कक्षा के विद्यार्थियो को बैठाने के समाचार मीडिया में छाये रहते हैं।

शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते, शीर्षक का आशय है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षक मन से कभी रिटायर नहीं होते, इसे दृष्टिगत रखकर स्वैच्छिक आधार पर उनका योगदान शिक्षा के साथ अन्य सामाजिक महत्व के काम में लिया जाना चाहिये। उनके अनुभवों का लाभ लिया जाना श्रेयस्कर होगा। मैं स्वयं ऐसे कई शिक्षकों से परिचित हूं जो किसी शैक्षणिक संस्थान से जुड़कर या कोचिंग और ट्यूशन के काम में स्वैच्छिक सहयोग दे रहे हैं। इसके लिये उन्हें ऑनरेरियम भी मिलता है और ना भी मिले तो भी वे अपने योगदान से पीछे नहीं हटते।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

नजर बदलो नजारे बदल जाएंगे ...

किसी भी विषय को देखने, समझने और अनुभव करने का हर किसी का अपना एक अलग नजरिया होता है। इसके चलते अंतर्मन में सकारात्मक या नकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं। कई बार विषय विशेष के प्रति अपना पूर्वाग्रह भी हमारी धारणा को आधार देता है। आध्यात्मिक दृष्टि से अच्छे और बुरे समय में तटस्थ भाव को आत्मसात करना चाहिए। माना कि परिस्थितियों से प्रभावित होना, एक सहज और सामान्य बात है। लेकिन फिर भी 'आत्मबल' ही वह माध्यम है जिसके चलते प्रतिकूल से प्रतिकूल परिस्थितियों को भी अनुकूलता में परिवर्तित किया जा सकता है। मनोवैज्ञानिक रूप से भी अंतर्मन की दृढ़ता असंभव को भी संभव सिद्ध करने में सहायक होती है।

समस्या हर किसी के जीवन में होती है, लेकिन समस्या को चुनौती के रूप में स्वीकार करने की मानसिकता सफलता का मार्ग प्रशस्त कर देती है। आए दिन सोशल मीडिया पर ऐसे उदाहरण भी देखने को मिलते हैं कि गंभीर रूप से विकलांग शख्सियत भी रोजमर्रा के कामकाज के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशिष्ट सेवाएं प्रदान करती दिखाई देती है। वैसे आम बोलचाल में कहा जाता है कि ईश्वर जब किसी को किसी बात से मोहताज कर देता है तो उसमें ऐसे अतिरिक्त गुणों का समावेश भी कर देता है जिसके चलते सामान्य व्यक्ति की अपेक्षा वह अधिक दक्षता का परिचय दे सके। परिस्थितियों से जूझने की क्षमता ही स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला रखती है।

हमारे अपने आसपास के परिवेश में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जिसके आधार पर हम कोई सीख हासिल कर सके। सीखने को तो हम चींटी से भी सीख हासिल कर सकते हैं, जो अपने वजन से ज्यादा शकर के दाने का भार लिए अपनी यात्रा जारी रखती है। जब हम अपने आसपास दृष्टिपात करें तो हमारे जीवन में चाहे जितनी समस्याएं हो, ऐसे चेहरे भी देखने को मिल जाएंगे जो हमसे कहीं ज्यादा समस्याओं से घिरे हैं। आमतौर पर हम अपने सुख से दूसरों के सुख की तुलना करते हैं, और अपने आप को कमतर पाते हैं। जबकि होना यह चाहिए कि अपने दुख से दूसरों के दुख के तुलनात्मक अध्ययन की दिशा में भी तनिक विचार कर लेवे।

किसी भी क्षेत्र में अपेक्षित सफलता की प्राप्ति तब ही संभव होती है जब हम कदम-दर-कदम उस ओर बढ़ने का हौसला दिखाते हैं। दरअसल जमाने भर की चुनौतियों से पार पाने के लिए अंतर्मन में दृढ़ता का भाव अत्यंत आवश्यक होता है। लक्ष्य के प्रति एकाग्र दृष्टि वांछित उद्देश्यों को पाने की दिशा में सदैव सहायक सिद्ध होती है। व्यवहार में देखा गया है कि कुंठाग्रस्त मानसिकता के चलते सहज संभव भी असंभव सिद्ध हो जाता है। वैसे तो संसार में दुखी होने के अनेकानेक कारण हो सकते हैं, लेकिन छोटी-छोटी खुशियों को समेट कर भी जीवन का आनंद लेने वाले ऐसा आनंद ले ही लिया करते हैं। अन्यथा अनावश्यक चिंता तो आदमी को पूरी तरह से तोड़ कर रख दिया करती है।

कभी-कभी जिंदगी में परिस्थितियों से समझौता करना भी आवश्यक हो जाता है। लेकिन इसका यह आशय नहीं निकाला जा सकता कि प्रगति पथ पर अग्रसर होने के इरादे को ही तिलांजलि दे दी जाए। दरअसल हमें अपनी वर्तमान परिस्थिति एवं भविष्य में हमारी अपनी अपेक्षाओं में बेहतर तालमेल बैठाने की जरूरत है। आध्यात्मिक दृष्टि से इस संदर्भ में भाग्य और पुरुषार्थ को वरीयता दी गई है। भाग्य के बारे में तो हम कोई दावा नहीं कर सकते लेकिन पुरुषार्थ के प्रति तत्परता का परिचय तो दे ही सकते हैं। इस संदर्भ में गीता के ज्ञान का सार-तत्व, जो चंद पंक्तियों में दर्शाया गया देखने में आता है, वह हमें पूर्ण रूप से भविष्य के प्रति निश्चिंत कर देता है। इस पर अमल जीवन की दशा और दिशा में आमूलचूल परिवर्तन कर सकता है।

फूलचंद मानव से बातचीत

कर्मयोगी

वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक

जब देह गलती है, तब ही सृजन साधना संभव

फूलचंद मानव का सबसे बड़ा योगदान पंजाब के कालजयी साहित्य का हिंदी व अन्य भाषाओं में अनुवाद को लेकर है। उन्होंने पांच दशक तक पंजाबी के नए रचनाकारों को राष्ट्र की मुख्यधारा के पाठकों तक पहुंचाने का काम किया। अनुवादक की भूमिका को लेकर उन्हें हेय दृष्टि से भी देखा गया। लेकिन, देश ने उनके काम पर मुहर लगायी। उनकी अब तक 42 किताबें आई। इनमें तीन कहानी संग्रह हैं। कविताओं पर चार पुस्तकें आई। संपादन पांच पुस्तकों का किया। बाकी कहानी व कविता का शोधपरक अनुवाद, कहानी, खोज व शोध हैं। दुष्यंत कुमार पर पीएचडी भी की। खुद कभी कॉलेज नहीं गए, मगर दशकों विश्वविद्यालय व कॉलेजों में पढ़ाया।

जीवन के आठवें दशक में तमाम शारीरिक चुनौतियों के बावजूद फूलचंद मानव सृजनरत हैं। वर्ष 1961-62 में मैं जैन संप्रदाय में आचार्य तुलसी के कुछ अनुयायियों के संपर्क में आया। बचपन में उनके लिखे भजन गाया करता था। वे लिखकर भजन देते, भजन स्मरण हो जाते। मैंने सीखा। मुझे ज्ञान नहीं था कि ये क्या है। सीखा तो संस्कार मिले थे। स्मरण शक्ति थी। कविता लिखने लगा। फिर हिंदी मिलाप, वीर प्रताप ने मुझे छापा। अणुव्रत, जैन भारती कलकत्ता में रचनाएं प्रकाशित हुई तो उनके पैसे मिलने लगे। थोड़े पैसे का लालच होने लगा। फिर सारिका व ज्ञानोदय में छपता था। नई कहानी, माध्यम, कल्पना आदि में छपा। दरअसल, इसलिए लिखता था कि संपादक मांगते थे। आज मांगता कोई नहीं।

वे बताते हैं कि मैंने मेहनत से अपनी जगह बनायी। हर अच्छी जगह छपा हूं। हमारा कौन परिचित था। मैं सारिका व धर्मयुग में लगातार छपता रहा। धर्मयुग को हाथ से लिखकर 28 पेज का मैटर भेजता था। लाल स्याही से एडिट होता था। आज मांग होती है, इस फॉन्ट में भेजो, ऑनलाइन भेजो। ये हम जैसे लोगों के बस का नहीं है। माना कि तकनीक का युग है। मैंने धर्मयुग के लिए कई आवरण कथाएं लिखी। धर्मवीर भारती जी ने मेरे से चार-चार पन्ने के सर्वेक्षण कराए। पंजाब के हिंदी भाषी इलाके अबोहर-फाजिल्का के इलाके में। मनोहर श्याम जोशी ने 1976 में तीन किस्तों में लिखवाया 'सन्नाटा साहित्य में या शहर में।' उन दिनों जागृति पत्रिका का संपादक था। कमलेश्वर सारिका के संपादक थे, कहानी प्रधान किताब में मेरी अनुवादित कविता छापी 'लाहौर के नाम एक खत।' ग़ज़लें बाद में छपनी शुरू हुई। मेरे पास सारे अंक भी हैं। कल्पना के अंक हैदराबाद में भी छपा।

आज साहित्य में भी अजीब स्थिति है, लोग सहन नहीं करते एक-दूसरे को। बस यही सोच है कि मैं ही मैं बढ़ता जाऊं। निस्संदेह, ज्ञान बांटने की चीज हैं। ज्ञानोदय कहां हैं, रमेश बख्शी संपादक होते थे। वर्ष 1965-66 की बात है। उसके बाद सारिका, धर्मयुग आये व साहित्यकारों का रास्ता खुला गया। दिनमान के बाद रविवार आया। पत्र-पत्रिका की लोकप्रियता संपादक पर निर्भर करती है। कमलेश्वर बड़ा पॉपुलर नाम था। धर्मवीर भारती इतना बड़ा नाम था कि आज उस तरह का नाम नहीं है। काम के आधार पर ही तो नाम होता है। दरअसल, वो जो कहते थे, उसे जीते भी थे। अपने यहां तो जो यथार्थ है उसके ढांपने की कोशिश की जा रही। जो प्रतिभा है उसे अवसर नहीं दिए जा रहे। सृजन-संस्कृति को पछाड़कर हर कोई पैसे के पीछे पड़ा है या फिर नफरतों का सफर जारी है।

दुष्यंत कुमार जैसा गजलकार हुआ कोई आज तक? मगर आज उनका नाम लेवा नहीं। इसी चंडीगढ़ में इंद्रनाथ मदान रहे। हजारी प्रसाद द्विवेदी जैसी शख्सियत रही जो देश के प्रतिनिधि थे। हजारी प्रसाद जी का पूरे देश में बोलबाला था। आज उनका कोई नाम नहीं लेता। उस समय गोष्ठियों में सम्मान होता था। आज छोटे-छोटे घरौंदे बनाने का काम हो रहा है। इसी शहर में रमेश कुंतल मेघ रहे। मेघ जी व प्रो वीरेंद्र मेहंदीरत्ता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायी। अपनी मेहनत और प्रतिभा से जगह बनायी। रमेश कुंतल मेघ पंजाब के नहीं थे, लेकिन यहां सारी उम्र काम किया। उनके शिष्यों के शिष्य बोल बाला करा रहे हैं। आज कुमार विकल का कोई नाम नहीं लेता। बहुत बड़े हस्ताक्षर थे। वैसी कविता आज आ ही नहीं रही। धूमिल की टक्कर के थे कुमार विकल। नरेश सक्सेना जैसे कवि आज भी उपेक्षित हैं।

साहित्य में खेमाबंदी के बाद साहित्य की दुनिया खेमों में बंट गई है। छोटे-छोटे गढ़ और गिरोह बन गए जो समाज को तोड़ते हैं, जोड़ते नहीं। स्वार्थ, लालच-लोभ सबसे आगे है। कोई कुछ छोड़कर जाएगा, ये नहीं समझ पा रहे ! उनके काम के आधार पर ही याद किया जाएगा। क्रिएटिविटी गायब हो रही है नई पीढ़ी फास्टफूड की तरह रातों-रात चर्चित होना चाहती है। चाहती है, बस पुरस्कार मिल जाए। मेरा ही बोलबाला रहे। सीनियरिटी की कोई कद्र है ही नहीं। सीनियरिटी कोई ऊपर से लिखवाकर नहीं लाया। रचनाकार काम से जाना जाता है दरअसल, धीरे-धीरे क्रिएटिविटी गायब हो रही है। नकलीपन आ रहा है। कविता की भाषा में ताजगी नहीं है। संपादन हो या लेखन, रचनात्मकता जरूरी है। एक ही बात को रिपीट करते रहते हैं। तीन सौ कविताएं ले लें, नकल और हमशक्ल लगती हैं। कविता की समझ बहुत कम संपादकों को है।

विडंबना है कि आज पत्रिका, किताब खरीदना बंद है। यहां तक कि पढ़ना भी बंद। लोग जो कह रहे पढ़कर दोहरा रहे हैं, उसी पर इतरा रहे हैं। किसी के घर जाएं लाइब्रेरी नहीं है घर में। किताबें कूड़े में चली जाती हैं। मेरे व्यक्तिगत पुस्तकालय में 15 हजार किताबें हैं। दस टन किताबें निकाल चुका हूं उम्र को देखते हुए। मेरे बाद कौन देखता। मेरे बच्चों को मेरी किताब का नाम भी नहीं पता। कहानी, कविता, अनुवाद व शोध की पुस्तकें हैं। मैंने वर्ष 1967 में पहली एमए पंजाबी भाषा में व 1973 में दूसरी एमए हिंदी में की। पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला का टॉपर रहा हूं। अध्यापन की शुरुआत गृह जनपद नाभा में ढाई साल एडहॉक प्राइमरी स्कूल टीचर के रूप में की। सोचा न था कि कभी चंडीगढ़ आ सकूंगा। वर्ष 1963 में इंडस्ट्री विभाग में क्लर्क लग गया। लेकिन, हर साल हर सेशन में दो परीक्षाएं दी। कई बार फीस न भर पाया। स्कूल से शिक्षा दसवीं तक पूरी की।

कॉलेज की रेगुलर पढ़ाई का मुझे अवसर नहीं मिला। वर्ष 1952 में पिता तुलसीराम जी का देहांत हुआ। दुकान करते थे नाभा में। मां प्रसन्ना देवी ने पिता की भूमिका भी निभायी। गरीबी में मां के संघर्ष को याद करते हुए रो पड़ता हूं। पढ़ाई के लिए फीस नहीं होती थी। कालांतर 1970 में पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के टेक्स्ट बुक बोर्ड में सहायक संपादक का दायित्व निभाया। यहां मैंने 27 किताबें एडिट की। यह लेक्चरर ग्रेड का पद था।। मातृभाषा टेक्स्ट को प्रोत्साहन की योजना थी। बाद में पंजाब सरकार में लोक संपर्क अधिकारी का मौका मिला। फिर प्रकाशन विभाग की 'जागृति' पत्रिका का संपादक बना।

फिर मुझे पंजाब सर्विस कमीशन पटियाला से कॉलेज लेक्चरर की नियुक्ति मिली। तब मुझे विष्णु खरे ने भोपाल में आयोजित केंद्रीय साहित्य अकादमी के सम्मेलन में पंजाबी के अनुवादक के रूप में आमंत्रित किया था। वर्ष 1977 के आसपास समकालीन भारत में छपा सानी जी के संपादन में। फिर टीचिंग में आ गया। पंजाबी यूनिवर्सिटी, राजेंद्र गवर्नमेंट कॉलेज बठिंडा में अध्यापन के बाद बीस साल मोहाली स्थित सरकारी कालेज फेज-6 में हिंदी अध्यापन किया। मैंने 42 साल नौकरी की, कई जगह इस्तीफे देकर नई-नई नौकरी की। एक जगह होता तो और ऊपर पद पाता।

साहित्य के सृजन का दायित्वबोध प्रेरित करता है। तीन राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। वर्ष 1989 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ से सौहार्द सम्मान दस हजार रुपये का मिला। मुलायम सिंह ने सम्मानित किया था। वर्ष 2003 में उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय का पचास हजार का पुरस्कार दिया। वर्ष 2006 में भाषा विभाग पंजाब का एक लाख का शिरोमणि साहित्य पुरस्कार मिला। फिर 2014 में केंद्रीय हिंदी साहित्य अकादमी से पचास हजार का अनुवाद पुरस्कार मिला। वे बताते हैं कि संतानों की सृजन से विरक्ति है। बच्चों को कोई इंटरेस्ट भी नहीं है। तीन किताबों के नाम नहीं ले सकते। इस बात से खुश हैं कि पापा प्रसिद्ध हैं। पापा रेडियो पर आए, फोटो छप गई। बेटे योगेश मानव का आस्ट्रेलिया में व्यवसाय है। पोतों को भान नहीं है। उनको पैसे की समझ है, हमें नहीं। एक बेटी ममता डॉक्टर है और दूसरी प्रवीण टीचर है। ये सपना पिता तुलसीराम व मां प्रसन्नी देवी के आशीर्वाद का फल है सेल्फ मेड हूं। आज भी संघर्ष जारी है।

हाल में एनबीटी, भारतीय ज्ञानपीठ व केंद्रीय साहित्य अकादमी की 14 किताबें आई हैं। कविता का अनुवाद किया है। टाइटल पर नाम फूलचंद मानव कौन देता है। ज्ञानपीठ से अच्छी रॉयल्टी मिलती रही है। मेरा पहला कविता संग्रह 'एक ही जगह।' पराग प्रकाशन से आया। दस प्रतिशत रायल्टी दी थी कविता पर। दूसरा कविता संग्रह- 'एक गीत मौसम।' तीसरी कृति 'कठोर कमजोर सपने' के लिये अटल बिहारी वाजपेयी ने सम्मानित किया था। चौथा कविता संग्रह 'आईने इधर भी हैं' छपा। कहानी संग्रह 'अंजीर' पंजाबी में और गुजराती में छपा है। मेरी रचना का मूल स्वर सांस्कृतिक व्यंग्य रहा है। आजकल वर्ष 1977 में बठिंडा से शुरू किये गए साहित्य संगम के तहत साहित्य संवर्धन का काम जारी है। बहरहाल, लेखन से संतुष्टि है। दरअसल, सृजन के लिये साबुन की टिकिया की तरह घिसना पड़ता है। हम घिस गए। आंखों से कम दिखता है, कानों से कम सुनायी देता। लिखते वक्त हाथ कांपते हैं।

शासन के द्वारा किए गए कार्यों से संतुष्ट नहीं ग्रामवासी, ठेकेदार और इंजीनियर कर रहे मनमानी

बैतूल/शाहपुर। मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर ग्राम हीरापुर में चल रहे निर्माण कार्य में धांधली और मनमानी के चलते ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर बैतूल और शिकायत नंबर 181 पर भी दो माह पूर्व शिकायत कर दी है। परंतु आकाश राय हीरापुर का कहना है। की बारिश के मौसम में रोड की स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है। की

मोटरसाइकिल की तो बात कर ही नहीं सकते। यहां से बैलगाड़ी और ट्रैक्टर का निकलना भी मुश्किल है। और उन्होंने सभी जगह अच्छे कार्य के लिए ग्राम के ग्रामीणों के हित के लिए गुहार लगाई है। परंतु किसी भी जगह उनकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। यहां तक की ग्राम पहुंचे इंजीनियर और ठेकेदार ग्रामीणों से मनमानी रंगदारी की बात करते हैं। और कहते हैं।आप पूरे जहां में कहीं भी चले जाइए। कहीं भी शिकायत कीजिए। हम अपनी मनमानी करेंगे।और अपने मन से कार्य करेंगे। आज ग्रामीणों का कहना है कि शासन प्रशासन नेता कोई भी उनकी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि चण्डी माई दरबार से जाने वाला मुख्य मार्ग है। सालीवाडा, गोपीनाथपुर और बंगाली कैंप के लिए तीन गांव के लिए एक मुख्य मार्ग है।

पुलिस ने ग्रामीण का भेष लेकर पकड़ा शातिर चोर, घर का ताला तोड़कर करता था जेवर और पैसों की चोरी

बैतूल। नर्मदापुरम के रेवा सनसिटी कालोनी में डाक विभाग से सेवानिवृत्ति कर्मचारी के घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। चार दिनों के भीतर नर्मदापुरम पुलिस ने सारनी के ग्राम छूरी में उसकी मुंहबोली बहन के घर से गिरफ्तार किया। आरोपी उमेश उर्फ मिर्ची पिहता नाथूलाल विश्वकर्मा(32) निवासी बाजार मोहल्ला सारणी शातिर चोर है। आरोपी से पुलिस ने 12.5तोला सोना, आधा किलो चांदी और बाइक बरामद की। केस में पुलिस ने आरोपी उमेश की बहन नरीन कुरैशी व चोरी का माल खरीदने वाले सराफा व्यापारी अरविंद सोनी निवासी सारनी को सह आरोपी बनाया। बुधवार को एसडीओपी पराग सैनी ने चोरी का खुलासा किया। एसडीओपी सैनी ने बताया आरोपी उमेश उर्फ मिर्ची शातिर चोर है। जिसके खिलाफ सारनी, आमला में एक दर्जन चोरी, लूट के केस दर्ज है। 5 अगस्त को ही मुलताई जेल से जमानत पर बाहर आया है। 8 दिन पहले उसने सारनी में एक लूट की वारदात को अंजाम दिया। जिसमें फरार है। 30-31 अगस्त की रात को उसने रेवासन सिटी नर्मदापुरम में फरियादी रिटायर्ड पीआरओ धर्मेंद्र शर्मा के सुने मकान में ताला तोड़कर अंदर घुसे।

अलमारी में रखे सोनेदृचांदी के लाखों के जेवर लेकर फरार हो गया। 31 अगस्त की रात 9 बजे जब फरियादी घर आएं तो चोरी की घटना उजागर हुई थी। फरियादी की शिकायत पर देहात पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज किया था। एसपी गुरकरन सिंह ने एसडीओपी पराग सैनी के नेतृत्व में 3 टीमें बनाई। जिसमें देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान, डोलरिया थाना प्रभारी खुमान सिंह, शिवपुर थाना प्रभारी विवेक सिंह समेत पुलिस कर्मी शामिल रहे। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। जिसकी पहचान उमेश उर्फ मिर्ची विश्वकर्मा निवासी सारनी के रुप में हुई। जो लूट के मामले में फरार चल रहा था। उसकी जानकारी निकाली। मुखबिर से पता चला कि एक दिन पहले ही उमेश मिर्ची एक दिन पहले ही बहन से मिलने ग्राम छुरी गया था। तीनों टीमें के पुलिस अधिकारी-जवान ग्राम छुरी पहुंचे। सोमवार को हाट बाजार थ। इसलिए पुलिसकर्मियों ने वर्दी के बजाय ग्रामीण वेषभूषा गमछा, कुर्ता पहना। एक टीम ने आरोपी की बहन के घर के बाहर डेरा डाल दिया व दो टीम बाजार में घुमती रही। जब संदिग्ध आरोपी उमेश बहन के घर पहुंचा तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने पहले गुमराह किया। बाद में चोरी करना स्वीकारा। चोरी का माल उसने मुंहबोली बहन नसरीन कुरैशी के घर सारनी में छुपाया। नसरीन ने कुछ माल सारनी के सराफा व्यापारी अरविंद सोनी को बेच दिया। पुलिस ने आरोपियों से माल बरामद किया। मुख्य आरोपी उमेश उर्फ मिर्ची विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया। नसरीन कुरैशी व अरविंद सोनी को सह आरोपी बनाया। आज बुधवार को पुलिस ने आरोपी को नर्मदापुरम के कोर्ट पेश किया। जहां उसे जेल भेज दिया गया।

12.5 तोला सोना व आधा किलो चांदी बरामद- सोने के दो हार, एक जोड़ी सोने के कंगन, 16 नग सोने की अंगुठी, एक सोने की चेन, दो नथनी, तीन मंगलसूत्र, चांदी की 6 जोड़ छोटी पायल, दो जोड़ बड़ी पायल, दो कर्दन, 8 जोड़ बिछिया, नगद 5 हजार रुपए, बाइक कुल 14 लाख रुपए का सामान बरामद किया।

शाहपुर ब्लॉक में शिक्षा सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बैतूल/ भौरा। ब्लॉक में शिक्षा और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में एक नई पहल की जा रही है। ओरेकल इंडिया के सहयोग से एकलव्य फाउंडेशन ने इस ब्लॉक के दूरस्थ गांवों में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक व्यापक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के तहत 20 आंगनवाड़ी केंद्र, 20 शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र, 16 तकनीकी आधारित केंद्र, 10 चकमक क्लब केंद्र और 20 स्कूलों में पुस्तकालय संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। बुधवार शाहपुर ब्लॉक परियोजना अधिकारी दीपमाला अहाके और बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर मीना केलेफ ने एकलव्य फाउंडेशन की टीम के साथ क्षेत्र का दौरा किया। इस टीम में आकाश मालवीय, राजेंद्र देशमुख, हेमराज मालवीय और सरोज वर्मा शामिल थे। उन्होंने मगरडोह, भौरा, पोलापत्थर, बोड़ीपानी, सालीमेट, और चिरमाटेकरी आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया और बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री तथा पुस्तकें वितरित कीं। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी दीपमाला अहाके ने कहा, एकलव्य फाउंडेशन द्वारा शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। इस पहल से न केवल बच्चों की शिक्षा में सुधार हो रहा है, बल्कि समुदाय में भी जागरूकता बढ़ रही है। एकलव्य फाउंडेशन के कार्यकर्ता सभी 20 आंगनवाड़ी केंद्रों में नियमित रूप से पहुंचकर कार्यकर्ता और सहायिकाओं के साथ मिलकर गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आकर्षक और प्रभावी ढंग से पढ़ा रहे हैं। इसके चलते अब बच्चे उत्साह के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में आ रहे हैं और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

कोरोला एवं केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम

बैतूल/ मुलताई। मुलताई नगर के कोरोला पब्लिक स्कूल एवं केंद्रीय विद्यालय में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया गया। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान किया साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कोरोला पब्लिक स्कूल में प्राचार्य सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा की इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिक्षक होना एक महान पेशा है जो किसी भी अन्य पेशे की तरह ही प्यार और सम्मान का हकदार है। कोरोला पब्लिक स्कूल में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के दिन प्रतिवर्ष विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। इसी परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष भी शाला में कई कार्यक्रम किये गए जिसमे शिक्षक सम्मान समारोह ,सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमे कक्षा नर्सरी से 12 वी तक के लगभग 500 बच्चो द्वारा अलग अलग विधाओं में डांस ,गायन तथा अन्य मनोरंजक कार्यक्रम किये गए,आज के कार्यक्रम में कोरोला पब्लिक स्कूल के इस कार्यक्रम में अतिथि एम के वर्मा, आर के सरोदे , जी ऐल बुवाडे सर , प्रमेन्द्र सिंह राठौड़, हेमराज सिंह राठौड़ की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में कक्षा 12 वी के छात्र /छात्राओं द्वारा मंच संचालन मंच व्यवस्था तथा 11वी छात्र /छात्राओं ने व्यवस्था बनाकर निर्धारित समय में पूरी जवाबदारी के साथ कार्यक्रम किया गया पूर्ण किया। पूरा कार्यक्रम श्रीमती संगीता राठौड़ तथा शाला के सभी सम्मानित शिक्षकों के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम शाला प्रबंधन द्वारा सभी शिक्षकों को छात्र /छात्राओं द्वारा उपहार वितरित करवाये गए। अंत में कुलदीप राठौड़ द्वारा सभी अतिथि महोदय तथा प्राचार्य जी, सम्मानित शिक्षकों , छात्र /छात्राओं का आभार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए किया गया।

केंद्रीय विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस- केंद्रीय विद्यालय में सर्वप्रथम प्राचार्य कालिका प्रसाद के द्वारा डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । कक्षा - 9 कि छात्रा उर्वशी पवार द्वारा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। उसके बाद कक्षा- 10 में गणित विषय में उत्कृष्ट परिणाम देने पर गणित शिक्षक राजेश साबरे को गणित (मानक) में स्वर्ण श्रेणी व गणित (स्टैंडर्ड)में रजत श्रेणी व उत्कृष्टता प्रमाण- पत्र से सम्मानित किया।

आरटीओ चेकपोस्ट ससुंद्रा पर खुलेआम लूट

बैतूल। पहले राज्य सरकार ने शिकायतें मिलने के बाद प्रदेश के दर्जनों चेकपोस्ट बंद करने का फरमान जारी कर दिया। जब राजस्व के नुकसान का गणित सामने आया तो कुछ जिले के चेकपोस्ट पर बेरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग करने के आदेश अगले ही माह जारी हो गए। इस आदेश में ससुंद्रा और गुदगांव चेकपोस्ट का नाम भी था। लिहाजा शासन से आदेश मिलने के बाद दोनों ही चेकपोस्टों पर वाहनों की चेकिंग शुरू हो गई है, लेकिन बदले आदेश में नियम क्या है, यह तो पता नहीं। चेकपोस्ट पर कर्मचारी वाहन चालकों से अनाप-शनाप जुर्माना वसूल रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि ससुंद्रा चेकपोस्ट पर तो पिछले कई दिनों से वाहनों की चेकिंग के नाम पर तगड़ा जुर्माना वसूल किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि नियम अनुसार ओवरलोड वाहनों और नियम का पालन न करने वालों की अस्थाई नाके पर निरीक्षण की औपचारिकता निभाना है, लेकिन ससुंद्रा चेकपोस्ट पर छोटे से लेकर बड़े वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इससे पहली समस्या तो यह हो रही है कि कतार में लगकर वाहन चालकों को अपना नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। चेकपोस्ट पर पदस्थ कर्मचारी एक-एक वाहनों के दस्तावेजों की जांच करते हैं, इसके बाद वाहन आगे की ओर बढ़ते हैं। इससे काफी लंबा समय लग रहा है।

छोटी-छोटी बातों पर निकाल रहे मीनमेख- वाहन चालकों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि ससुंद्र चेकपोस्ट पर कर्मचारियों द्वारा समस्त दस्तावेज दिखाने के बावजूद कोई न कोई कमियां बताकर जुर्माना वसूल किया जा रहा है। सबसे पहले कर्मचारी यहां पर दस्तावेजों का निरीक्षण करते हैं। दस्तावेज पूरे होने के बावजूद वाहनों का निरीक्षण किया जाता है। वाहन चालकों ने बताया कि वाहनों में नियम के अनुसार माल भरा होने के बावजूद मीनमेख निकाल जुर्माने के लिए बाध्य किया जाता है। विरोध करने पर चेतावनी दी जाती है कि दस गुना अधिक जुर्माना वसूल किया जाएगा।

गाइड लाइन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं- ससुंद्रा-गुदगांव चेकपोस्ट परिवहन विभाग के बदले हुए नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। संशोधित नियमों के अनुसार ओवरलोड वाहनों पर 500 रुपए से लेकर अधिकतम 2-3 हजार रुपए तक जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है, लेकिन कई वाहन चालकों ने बताया कि ओवरलोड वाहनों के बहाने सीधे दस हजार का जुर्माना लगाया जा रहा है। कई वाहन चालक तो ऐसे भी है,जिन्होंने जुर्माना दे भी दिया, लेकिन उन्हें दी जाने वाली रसीद कम राशि की दी गई। हालांकि व्यापारी होने और बेरियर से हमेशा आने जाने के कारण उन्होंने इस बात की शिकायत नहीं की। इसी वजह ससुंद्रा के अलावा गुदगांव चेकपोस्ट पर वाहन चालकों से नियम के विरूद्ध जुर्माना वसूल करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

इनका कहना

शासन ने जुर्माने की गाइड लाइन में बदलाव किया है। नियम के अनुसार ही ओवरलोड वाहनों से जुर्माना वसूल किया जा रहा है।

- हिमांशु जैन,
चेक पोस्ट प्रभारी, ससुंद्रा-गुदगांव

भारत विकास परिषद बैतूल शाखा का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

पंजाब राव मगरदे अध्यक्ष, आशीष पचौरी बने सचिव

बैतूल। भारत विकास परिषद की का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम होटल आभाश्री में संपन्न हुआ। कार्यक्रम विभाग प्रचारक नर्मदापुरम संभाग मुख्य अतिथि नरेंद्र यादव के आतिथ्य में और प्रांतीय अध्यक्ष, भारत विकास परिषद अध्यक्ष वीरेन्द्र जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में विजय नामदेव प्रांतीय महासचिव ने सार गर्भित विचारों द्वारा प्रकाश डालते हुए श्रोताओं को एक नई दिशा दी। प्रकाश बंजारे प्रांतीय नेत्रदान एवं रक्तदान प्रभारी, बैतूल शाखा संरक्षक राजीव खंडेलवाल एवं शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया एवं श्रीमती संगीता

राठौर ने बहुत मधुर आवाज में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्रांतीय महासचिव ने सभी नवीन पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों को शपथ दिलाई। नई कार्यकारणी में अध्यक्ष पंजाब राव मगरदे, सचिव आशीष पचौरी, युवराज मालवीय गौड़ उपाध्यक्ष, दिनेश पंडाग्रे कोषाध्यक्ष, दीप मालवी सेवा प्रमुख, सतपाल मगरदे पर्यावरण प्रमुख, रविन्द्र धोटे संपर्क प्रमुख, आशीष कोकने सह पर्यावरण प्रमुख, डॉ.राकेश मालवी मेडिकल कैंप प्रभारी, डॉ.महेश वागद्रे नेत्र दान एवं अंग दान प्रमुख, नूतन जैन महिला प्रमुख, तूलिका पचौरी बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान प्रभारी, श्रीमती बिल्लो पवार संस्कार प्रमुख, प्रमिला धौत्रे सह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान प्रभारी, सुशीला बोडखे एनीमिया मुक्त भारत प्रमुख, सदस्य चांदनी नामदेव, सोनम मिश्रा, सपना दवंडे, श्रीमती सीता ठाकरे एवं सविता मालवी ने दायित्व ग्रहण किया, सभी अतिथियों के संबोधन पश्चात शाखा सचिव आशीष पचौरी ने सभी का आभार प्रकट किया, तत्पश्चात राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नूतन जैन द्वारा किया गया।

थाना परिसर में संपन्न हुई शांति समिति की बैठक

धार्मिक पर्वों की व्यवस्था को लेकर हुए अनेक निर्णय

बैतूल/ मुलताई। पवित्र नगरी मुलताई में आगामी धार्मिक पर्वों को देखते हुए थाना मुलताई में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया । जिसमे गणेश चतुर्थी, ऋषि पंचमी सहीत गणेश विसर्जन एवं ईद मिलादुन्नबी की तैयारी को लेकर विभिन्न प्रस्ताव लीए गए । बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने बताया कि गणेश चतुर्थी ऋषि पंचमी पर इस बार सुरक्षा की दृष्टि से महिला पुलिस कर्मियों के साथ ही नगर पालिका की महिला कर्मचारियों को भी नियुक्त किया जाएगा। टापानी स्नान के लिए महिलाओं के लिए अस्थाई स्नान ग्रह चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। ताप्ती स्नान के समय कोई दुर्घटना ना हो इसके लिए 10 गोताखोर एवं दो नाव बुलाई गई है। नगर पालिका अध्यक्ष एवं महिला पार्षदों ने कहा कि डीजे पर कोई अश्लील गाना ना बजे और उनका साउंड इमिटेशन हो इसका ध्यान रखा जाना चाहिए और साथ ही सभी मंडलों से यह आग्रह है कि वह प्रयास करें कि एक साथ विसर्जन हो जाए हमेशा की तरह नगर पालिका भूख खेड़ी पर गणेश प्रतिमा विसर्जन की तैयारी करेगा। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर, थाना प्रभारी राजेश सातनकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, नगर पालिका उपन्यत्री

योगेश अनेराव, आर आई रवि पदाम, भाजपा नेता नमन अग्रवाल, बजरंग दल प्रमुख गगन साहू, भाजपा मीडिया प्रमुख रघुवेंद्र रघुवंशी ,कृष्णा साहू सहीत बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ग्राहक सम्मेलन संपन्न

बैतूल। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैतूल शाखा एवं बैतूल गंज शाखा द्वारा ग्राहको का सम्मान समारोह आयोजित किया। सम्मेलन तरसेम सिंह जीरा एवं विजीर होशंगाबाद क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख रजत मिश्रा की विशेष उपस्थिति में किया गया। भोपाल से आए आंचलिक प्रमुख श्री खीरा ने ग्राहकों को त्वरित सेवा देने की प्रतिबद्धता बताई। ग्राहक सम्मेलन में आए हुए सभी गणमान्य ग्राहकों ने भी बैंक के द्वारा दी जा रही सेवा की प्रशंसा की। साथ में ग्राहकों ने भी अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय के दौरान विभिन्न ऋण योजनाओं और ब्याज के बारे में जानकारी दी। ब्याज पर ही व्यवसायिक ऋण के नए प्रोडक्ट सेंट बिजनेस एवं सेंट जीएसटी ऋण योजना की समुचित जानकारी दी गई। बाद में कम ब्याज दर पर ही होटल निर्माण के लिए सेंट होटल योजना की भी विस्तृत रूप से जानकारी दी। ग्राहक सम्मेलन में विशिष्ट ग्राहक मुकेश खंडेलवाल, राजकुमार अग्रवाल, आलोक मालवीय, पुलकित अग्रवाल, डॉ.विजय साबले, दिनेश बर्डे, आशीष साहू, सुनील हिराणी, योगेश मदान, राजेश मदान, प्रवीण भावसार सहित अन्य सम्माननीय ग्राहक उपस्थित थे। सम्मान समारोह में सेंट्रल बैंक के अन्य अधिकारी राजीव रंजन शाखा प्रबंधक, सज्जन कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक, नितिन धोके, मो.इलियास खान, सुमित साहू, राजेश कुमार (डीएसए), मंत्रित कुमार खरे, विवेक गोयल, प्रकाश वासनिक सहित समस्त स्टाफ शामिल थे।

आंचलिक प्रमुख ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

बैतूल। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रमुख तरसेम सिंह जीरा अल्प प्रवास पर बैतूल पधारे जहां उन्होने ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) का निरीक्षण किया। जिसमें वर्तमान मे चल रहे ब्युटि पार्लर मेनेजमेंट की 70 प्रशिक्षणार्थियों को उत्साहवर्धित किया एवं प्रतिभागियों को आगे बढने ओर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया और

कार्यालय के परिसर मे एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधा रोपित किया। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार, वित्तीय व्यवस्था के साथ अपने दायित्व को समझते हुए पर्यावरण के क्षेत्र में भी योग दें। इस अवसर पर सेन्ट्रल बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख रजत मिश्रा ,अग्रणी जिला प्रबंधक एके सिंह,आर सेटी निदेशक मंजुशा अठावले एवं आरसेटी का समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी गण उपस्थित था।

हमें सदस्यता अभियान को संगठन पर्व के रूप में चलाकर गांव- गांव तक पहुंचना है : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

जिले में तीन लाख पचास हजार नए सदस्य बनाएगी भाजपा: मनोज सोमानी

धार। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान- 2024 अंतर्गत धार जिले में तीन लाख पचास हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मध्यप्रदेश में डेढ़ करोड़ व देशभर में 10 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य है । गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में सदस्यता अभियान को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिसमें महिला एवं बाल विकास केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, विधायक नीना वर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी मौजूद रहे।

भाजपा की सदस्यता मिस्ड कॉल नंबर - 8800002024, क्यूआर कोड, रेफरल कोड, चैटबॉथ, नमो एप व पार्टी की वेबसाइट के माध्यम से ली जा सकेगी। 100 सदस्य बनाने पर सक्रिय सदस्य बनने की पात्रता मिलेगी। सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, नप अध्यक्ष, नपाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों के लिए अलग से लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। भाजपा का सदस्यता अभियान छह वर्ष में एक बार चलाया जाता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 सितंबर को नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के हाथों पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर देशभर में संगठन पर्व का शुभारंभ

किया है। प्रधानमंत्रीजी के सदस्य बनने के साथ देशभर में संगठन पर्व का शुभारंभ हो गया है। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश में 3 सितंबर को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मप्र मंत्रीमंडल के सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर प्रदेश में संगठन पर्व का शुभारंभ किया। 5 सितंबर को प्रदेश में भाजपा के सभी 60 संगठनात्मक जिलों में पत्रकारवार्ता रख पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को सदस्यता दिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस संगठन पर्व का मुख्य उद्देश्य, देश में 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। हमारे प्रधानमंत्री ने मात्र तीन माह में मनमाड रेलवे योजना का बजट बढ़ाकर चार ज्योतिर्लिंग से जोड़ा गया है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार काम कर रही है जिसमें राज्य सरकार केंद्र सरकार प्रदेश व देश की जनता के लिए जनहित में विकास के कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार मुक्त सरकार दी है। आम नागरिकों के खाते में योजना का सीधा पैसा पहुंचता है। हमारा भारत विकसित होगा प्रदेश विकसित होगा और भ्रष्टाचार मुक्त होगा।

जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा भाजपा इस सदस्यता प्रक्रिया को संगठन पर्व कहती है, क्योंकि भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। उमंग और उत्साह के साथ यह पर्व शुरू हो गया है, जिसे साकार रूप पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता को करना है। संगठन महापर्व का प्रथम चरण 1 सितंवर से हो चुका है और 24 सितंवर 2024 तक चलेगा। जबकि दूसरा चरण 1 अक्टूवर से 15 अक्टूवर 2024 तक रहेगा। सक्रिय सदस्यता अभियान 16 से 31 अक्टूवर 2024 तक चलेगा तथा प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता रजिस्टर करने की तिथि 1 नबम्वर से 10 नवम्वर 2024 होगी।

विधायक नीना वर्मा ने कहा कि आम लोगों को सदस्यता दिलाकर पार्टी से जोड़ा जावे। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। सभी को लक्ष्य दिया गया है कि अधिक से अधिक सदस्यों को भाजपा का सदस्य बनाए। मै आप सभी पत्रकारों से निवेदन करती हूं कि आप सभी भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें।

पत्रकार राजेश शर्मा को केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने मिस्ड कॉल कर भाजपा का सदस्य बनाया- भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि प्रेस वार्ता के अंत में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने वरिठ पत्रकार, मोटिवेशनल स्पीकर राजेश शर्मा ,डॉ जिंदल, चयन राठौर को मिस्ड कॉल कर भाजपा का सदस्य बनाया।

शिक्षक दिवस पर प्रदान किए स्मृति चिन्ह

सुबह सवेरे सोहागपुर

सीएम राइज एसजेएल स्कूल में शिक्षक दिवस पर पूर्व एनसीसी ऑफिसर महेशकुमार रघुवंशी को शिक्षक दिवस पर 13एमपी बटालियन एनसीसी सोहागपुर के पूर्व एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी कलर प्रिंट स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसी अवसर पर एनसीसी एसजीटी प्रियांशु धारसे ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रियांशु धारसे ,अजय मालवीय ,रोहित मेहरा ,नरेन्द्र आरसे ,जीसाहब उइके ,दामोदर आदि ने एनसीसी अधिकारी महेश रघुवंशी का स्वागत किया।

गणेशोत्सव पर यातायात व्यवस्था करें

सुबह सवेरे सोहागपुर। पार्षद भास्कर मांझी ने नगर पंचायत परिषद, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं नगर निरीक्षक को आवेदन प्रदान करके गणेशोत्सव पर समुचित यातायात व्यवस्था करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि नगर में सर्वाधिक प्रतिमाओं का निर्माण मातापुरा वार्ड में बनाई जाती है । प्रतिमाएं लेने के लिये नगर एवं आसपास के नागरिक बड़ी संख्या में आते हैं। जिसमें समिति सदस्य ट्रैक्टर ट्राली लेकर आते है। इस कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है ।इस कारण सहयोग करें ताकि यातायात व्यवस्था अवरूद्ध न हो।

सोहागपुर पुलिस ने 60 हजार नगदी सहित चोर पकड़ा

सुबह सवेरे सोहागपुर। पुलिस अधीक्षक गुरकरनसिंह के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र तथा एसडीओ पुलिस सोहागपुर संजू चौहान के निर्देशन में सोहागपुर पुलिस ने समीपवर्ती ग्राम सेमरी हरचंद में चोरी की घटना अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने बताया कि दिनांक 29-30 अगस्त 2024

को मध्य रात्रि में सोहागपुर पुलिस थाने के अंतर्गत सेमरी हरचंद चौकी में फरियादी रमेश कुमार नयायनी निवासी सोहागपुर की किराना दुकान मे अज्ञात चोर ने 75 हजार रुपए की चोरी करने की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुध्द की थी। पुलिस ने फरयादी की रिर्पोट पर अपराध क्रमांक 485,24 धारा 331(4), 305(1) बीएनएस का दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में अज्ञात चोर की पतारसी कर आरोपी अयान उर्फ अइया पिता शकील खान उम्र 20 साल निवासी मुसलमानी मोहल्ला सेमरी हरचंद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से चोरी के नगदी 60 हजार तीस रुपए बरामद करके आरोपी को न्यायालय पेश किया गया ।

मुख्य भूमिका- नगर निरीक्षक कंचनसिंह ठाकुर, सेमरी हरचंद चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक आकाशदीप , सहायक उपनिरीक्षक पुलिस नरेश रघुवंशी, प्रधान आरक्षण प्रमोद पटेल, आरक्षक अतुल शर्मा की विशेष भूमिका रही ।

पार्टी कोषाध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री को सीएमओ को हटाने लिखी चिट्ठी

नर्मदापुरम। नगर में चिट्ठी पत्री लिखने का चलन अब तेज घूम गया, गांधीवादी नेता शंभू नाथ गुप्ता ने सार्वजनिक तौर पर नर्मदा जयंती पर एक चिट्ठी अपने मित्र स्व ज्ञानी मस्ते को लिखा करते थे। चिट्ठी की विशेषता होती थी लोग महिनों उनकी चिट्ठी का जिक्र किया करते और अगली चिट्ठी के लिए नर्मदा जयंती का इंतजार करते। फिर मानों चिट्ठी लिखने का भार सम्माननीय भवानी शंकर शर्मा ने उठाया, चिट्ठी से सुर्खियों में रहे श्री शर्मा, यतो धर्म ततो जय का मूल मंत्र लेकर चले। उनके पुत्र पियूष शर्मा ने भी हालिया एक चिठ्ठी लिखकर नगर के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया। चिट्ठी के प्रभाव से वह अखबारी विज्ञापन होर्डिंग से फोटो गायब हो गए। इस चिट्ठी ने पिता को कष्ट दिया कभी किसी ड्योढ़ी पर नहीं जाते पिता को लोगों ने दूसरी मर्तबा किसी दूसरे के दफ्तर में जाते हुए देखा (पहली बार सम्माननीय को विधायक रही सविता दीवान शर्मा के साकेत नगर कार्यालय में एस एन जी स्टेडियम पुनर्निर्माण मसले को लेकर दस्तक देते देखा था) तो समर्थकों ने नपाध्यक्ष को शिकार बनाने का लक्ष्य बना लिया और अब पियूष की चिट्ठी के समर्थन में रहने वाली मुख्य नगरपालिका अधिकारी को हटाने के लिए परिवार के खास पार्टी कोषाध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री को पत्र लिखकर खलबली मचा दी..? मुख्य नगरपालिका अधिकारी का दोष क्या.? विधायक परिवार से बगैर मशविरा किए वे पिटे कर्मचारी के पक्ष में पुलिस द्वारा सरकारी कामकाज में बाधा वाली नहीं लगाई गई धारा 353 जुड़वाने गई। कलेक्टर के निर्देश पर नगर से आवारा पशुओं को पकड़वाने का काम गणेश सोनी करवा रहे थे को पूर्व भाजपा पार्षद ने सार्वजनिक तौर पर लपाड़े मारे थे क्यों.. उसका दोष क्या यह था कि वो अपने अधिकारी के आदेश का पालन कर आवारा पशुओं को पकड़ रहा था। नगर आवारा पशुओं के जमघट से परेशान हैं आवागमन में असुविधा हो रही, दुर्घटना हो रही ऐसे में सरकारी आदेश का पालन कर रहे कर्मचारी के साथ मार-पीट करने वाले को बचाने के लिए यदि अधिकारी कोतवाली जाए तो प्रभारी मंत्री को अधिकारी के स्थानांतरण के लिए पत्र लिखा जाना चाहिए या फिर नगर में हो रही अव्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के संदर्भ में लिखा जाना चाहिए। यह चर्चा का विषय बन गया। इसमें तो कहा यह तक जा रहा न्यायालय का काम कर रही एफआईआर दर्ज करने वाले पुलिस कर्मचारी के विरुद्ध वरिष्ठ अधिकारीयों को मामला संज्ञान लेना चाहिए। जिसने सरकारी कर्मचारी के साथ कार्य करते हुए हुई मार-पीट के बावजूद धारा 353 किस कारण नहीं लगाई।

कलेक्टर रांकई में वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर पहुंची

जिले के 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हुआ शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। आयुष विभाग नरसिंहपुर द्वारा जिले में संचालित 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गुरूवार को वृद्धावस्था स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर रांकई पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। यहां मौजूद वृद्धजनों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का आयोजन का उद्देश्य आपके स्वास्थ्य की जांच कर उपचार के लिए निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया जा रहा है। जिले में लगने वाले इन कैम्पों में पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच कर चिकित्सीय परामर्श प्राप्त करें। जिला आयुष अधिकारी डॉ. सुरत्ना सिंह ने बताया कि जिले के 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर कठौतिया, रांकई, नयाखेड़ा, मुर्गाखेड़ा, बम्हनी, बिलहरा, झांसीघाट- खमरिया, हीरापुर- चीचली, गोटीटोरिया, झिकोली सिरसिरी, मुराछ, झामर, बचई व कमोद में निःशुल्क विशेष जरवस्था (वृद्धावस्था) स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संचालन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए शिविर प्रभारी को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन एवं शिविर से संबंधित समस्त तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये थे। शिविर में आयुष चिकित्सकों द्वारा अपने क्षेत्र के वृद्धजनों की स्वास्थ्य देखभाल एवं वृद्धावस्था जन्म बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, श्वास रोग, वात रोग, आमबात, संधिवात, पक्षाघात, मूत्र रोग, उदर रोग, तंत्रिका तंत्र रोग जैसे अनिद्रा, कंपबात, चर्म रोग, नेत्र रोग आदि रोगों की निशुल्क जांच एवं उपचार आयुष पद्धति से किया गया। सभी वृद्धजनों, पेंशनरों व जन समुदाय इन शिविरों में पहुंचकर चिकित्सा लाभ प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सुरभि लोधी, ग्राम के उप सरपंच श्री फैयाज मालगुजार, डॉ. सुरेंद्र पटेल, आयुष विभाग का स्टाफ और ग्रामीणजन व वृद्धजन मौजूद थे।

भगवान का जन्म उत्सव मनाया

पूज्य साध्वी ने प्रभु महावीर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला

धार। पर्युषण पर्व के चलते धार के विभिन्न जैन मंदिरों में भगवान का जन्म उत्सव मनाया गया। शहर के एमजी रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर में बड़ी संख्या में जैन समाजजनों ने आरती व भजन का आनंद लिया। इसके अलावा एलआईजी कॉलोनी के जैन मंदिर दादावाड़ी में भी धार्मिक आयोजन हुआ। बड़ा रावला स्थित जैन मंदिर और इंदौर रोड पर श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर सहित भक्तामर महातीर्थ पर भी आयोजन हुए। श्री संघ में पर्वाधीराज पर्व पर्युषण में पांचवें दिन भगवान महावीर स्वामी जी जन्म वाचन कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। भगवान महावीर स्वामी की माता त्रिशाला ने जन्म से पूर्व 14 स्वप्न देखे थे। उसी अनुसार चौदह स्वप्नों की बोली लगाई गई। उसमें चौथे स्वप्न में माता लक्ष्मी जी को देखा था। उसकी बोली लगाई गई जो सबसे अधिक मे गई। जिसका लाभ संघ के मनोहरलाल जैन आदिनाथ परिवार ने लिया। श्री संघ द्वारा उनकी अनुमोदना की गई।

पूज्य साध्वी श्री शाश्वतप्रिया श्री जी द्वारा जन्म वाचन किया गया और प्रभु महावीर के जीवन, चरित्र पर प्रकाश डालते हुए। संघ को प्रेरणा दी गई जिसे संघ ने स्वीकार कर उदार हृदय से पूर्ण करने का वचन दिया। प्रभु के जन्म वाचन कार्यक्रम के पश्चात सभी ने एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम श्री पार्श्वनाथ जैन धर्मशाला में आयोजित किया गया जिसमें श्री संघ के सभी सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजेन्द्र कोठारी, अतुल रांका, प्रकाश जैन घेवरचंद जैन, सहायोग रहा। संचालन विजय मेहता ने किया।

डेंगू की रोकथाम के लिए अभियान

नरसिंहपुर। डेंगू की रोकथाम के लिए सामूहिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान हर रविवार- करें डेंगू पर वार चलाया जा रहा है। जिले के समस्त नागरिकों से अपील की गई है कि वे आने वाले प्रत्येक रविवार को अपने घर में 10 मिनट दें, जिससे यह सुनिश्चित करें कि कहीं अनुपयोगी साफ पानी एकत्रित नहीं हो और यदि एकत्रित हो रहा है, तो तत्काल उसे खाली करें या खाली न कर पाने की स्थिति में पात्रों को ढककर रखें, जिससे डेंगू के मच्छर इनमें अंडे न दे सकें। स्वास्थ्य विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि मानसून के साथ ही मच्छरों की पैदावार बढ़ने लगती है। इन्हीं मच्छरों में से एक मच्छर एडीज मच्छर डेंगू फैलाता है। यह मच्छर साफ- पानी में अंडे देता है, इन्हीं अंडों से लार्वा एवं मच्छर बनते हैं। डेंगू फैलाने वाले मच्छर घरों एवं कार्यस्थलों पर एकत्रित साफ पानी में पनपते हैं। अतः आवश्यक है कि घर अथवा ऐसे कार्य क्षेत्र कहीं भी पानी एकत्रित नहीं होनें दें। घरों में रखे टायर, खुले बर्तन, डिब्बे, अनुपयोगी पानी से भरे कंटेनर, अंडर ग्राउंड टैंक, बैरल, सीमेंट की टंकियां, कूलर, टॉयलेट की टंकी, छतों पर रखे अनुपयोगी सामान में साफ पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं। आवश्यक है कि घरों एवं कार्यस्थलों में सात दिन से अधिक पानी जमा नहीं होने दें और उन्हें नियमित रूप से खाली करते रहें। नागरिक डेंगू से बचाव के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छर दानी का उपयोग करें और घरों में मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरोधी क्रीम/ अगरबत्ती का उपयोग करें।

जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति धार ने 181 सेवानिवृत्त शिक्षकों, 9 विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया शिक्षक और सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं हो सकते

सर्वत्र न्यौछावर करने की क्षमता गुरु में हैं : महामंडलेश्वर डॉ. नरसिंहदास महाराज

धार। जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति धार ने 'सेवानिवृत्त शिक्षकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मान समारोह' की श्रंखला में शिक्षक दिवस को धार में शिक्षक सम्मान समारोह और विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया।

श्रद्धा गार्डन में आयोजित गरिमामय समारोह के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर प.पू.श्री श्री 1008 डॉ नरसिंहदास जी महाराज मांडव तथा अतिथिगण ब्रजकांत शुक्ला सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग, रविंद्र वास्केल नगर पुलिस अधीक्षक,श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई रक्षित निरीक्षक, भगवती काग जिला पेंशन अधिकारी एवं दीपक सिसोदिया रीजनल मैनेजर भारतीय स्टेट बैंक मंचासीन रहे।

मंच पर संरक्षक बबन अग्रवाल ,समिति के अध्यक्ष नारायण कुबेरजी जोशी और संस्थापक तथा सचिव सुरेश गोयल भी आसीन थे।

समिति के प्रवक्ता आशीष गोयल ने समिति का प्रतिवेदन एवं स्वागत भाषण देते हुए बताया कि विगत 40 वर्षों से समिति सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल, श्रीफल ,माला और सम्मान पत्र से सम्मान कर रही है। समिति द्वारा इन वर्षों में लगभग 5600 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया जा चुका है ।समिति द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों के भोजन की व्यवस्था भी की जाती है ।साथ ही पूर्व वर्षों में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त ,राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों का भी सम्मान एवं हाई स्कूल तथा हायर सेकंडरी स्कूलों में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले प्राचार्यों का भी सम्मान किया जाता रहा है। विगत 10 वर्षों से समिति द्वारा समाज

के विभिन्न क्षेत्रों में धार और जिले का नाम राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाले विशिष्ट प्रतिभाओं का भी सम्मान किया जाता है। छोटे से स्तर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम आज पूरे विश्व में एक अभिनव नवाचार उपलब्धि लिए हुए हैं। हमें पूरे देश से ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि इतने वर्षों से इस स्तर पर ऐसा सम्मान समारोह आयोजित किया जाता है, इसलिए समिति को वर्ष 2022 में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स लंदन द्वारा तथा पूर्व में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी 2018 में सम्मानित किया है और यह पूरे धार शहर के लिए गौरव की बात है कि वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे सेवानिवृत्त शिक्षकों का विश्व का सबसे बड़ा सम्मान समारोह का दर्जा दिया है। जिला शिक्षक सम्मान समारोह समिति के संस्थापक और सचिव सुरेशचंद्र गोयल ने बताया कि समारोह में जनजातिय कार्य विभाग और शिक्षा विभाग के 1 सितंबर 2023 से 31 अगस्त 2024 तक सेवानिवृत्त हुए 181 शिक्षकों का सम्मान किया गया।

विशिष्ट प्रतिभाओं के अंतर्गत जिले में रेल आंदोलन की सर्वप्रथम आवाज उठाने वाले श्री पवन जैन गंगवाल, शास्त्रीय संगीत एवं पीपलखेड़ा आश्रम,विवेकानंद केंद्र में अपनी सेवा देने वाले दीपक खलतकर, 60 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने वाली पेट्स वूमेन अनीता शर्मा, अवलिया नालछा से दो बार राष्ट्रीय कृषक पुरस्कार प्राप्त कर चुके उन्नत कृषक सीताराम निगवाल, कोद के अंतरराष्ट्रीय शॉटगन खिलाड़ी भाई बहन। श्रेष्ठा सिसोदिया, ज्योतिरादित्य सिसोदिया, राष्ट्रपति पुलिस पदक प्राप्त राजोद के रामरतन धाकड़, सांस्कृतिक कलाकार राजेश सक्सेना और कड़े संघर्ष के बाद चाय की दुकान चलाते हुए पीएचडी करने वाले संतोष जोशी को स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, श्रीफल और माला से सम्मानित किया गया।

आभार प्रदर्शन समिति उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर बोडा और सुचारू संचालन प्रसिद्ध साहित्यकार और वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ श्रीकांत द्विवेदी ने किया।

मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर डॉ नरसिंहदास महाराज ने कहा कि शिक्षक और सैनिक कभी सेवानिवृत्ति नहीं हो सकते,सर्वत्र न्योछावर करने की क्षमता गुरु में है। एक साथ इतने गुरुओं का दर्शन मेरा सौभाग्य है। गुरु की कृपा किसी निरीह प्राणी पर हो जाए तो वह भी ज्ञानवान हो जाता है। जिस ज्ञान गंगा से आपने शिष्यों को तैयार किया है,संस्कारीत शिक्षा में ढाला है, आप सभी गुरुजनों का यह क्रम सेवानिवृत्ति के बाद भी जारी रहना चाहिए।

लगातार 40 वर्षों से कार्यक्रम करने पर समिति को साधुवाद और आशीर्वाद दिया।

जनजातिय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त बृजकांत शुक्ला ने कहा कि व्यक्ति के संस्कार का रचयिता शिक्षक ही होता है। आप सभी सेवानिवृत शिक्षक सेवानिवृत्ति के बाद भी बच्चों को सत्य,चरित्र और मेहनत के सदगुणो से अवगत कराते रहे। नए शिक्षकों को आपके अनुभव से सकारात्मक लाभ मिले यह कामना करता हूँ।

नगर पुलिस अधीक्षक रविंद्र वास्कले ने कहा कि सोशल मीडिया के इस युग में तकनीकी शिक्षा की भी बहुत आवश्यकता है।

रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम विश्नोई ने शैक्षणिक जीवन को याद करते हुए कहा कि हर परिस्थिति में शिक्षक का सम्मान होना चाहिए। शिक्षक समाज और देश का भविष्य निर्माता है। ऐसे अनुकरणीय कार्य करने के लिए संस्था को बहुत-बहुत बधाई दी।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान के चाचा श्री चैन सिंह के निधन पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने व्यक्त किया शोक

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल स्थित आवास पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भेंट कर उनके चाचा श्री चैन सिंह के दुखद निधन पर शोक संवेदनाएँ व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। इस अवसर पर पन्ना विधायक श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

पिता को याद कर सीएम यादव बोले- उनकी शिक्षा हमारे साथ

टीचर्स डे पर शिक्षकों का सम्मान किया ; कहा- अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाला गुरु

उज्जैन (नप्र)। शिक्षक दिवस पर गुरुवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय माधवनगर में बोर्ड परीक्षा में शत - प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों का सम्मान किया गया।

उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय माधवनगर में हुए कार्यक्रम में 245 शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अंधेरे से प्रकाश की

ओर ले जाने वाला गुरु होता है। सीएम ने गुरु और शिक्षक के बीच के अंतर पर कहा कि शिक्षक और गुरु में अंतर करना बड़ा धर्म संकट खड़ा करता है। शिक्षक वो जो सिलेबस सरल भाषा में पढ़ाए और जो सिलेबस के ऊपर है, वो गुरु है।

उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए कहा, शरीर नाशवान है, यह सत्य है, लेकिन सच्चे अर्थों में पूज्य पिताजी आज भी जीवित हैं। उनकी अमूल्य शिक्षा और उनके द्वारा दिए गए मूल्य, जीवन भर हमारे साथ रहेंगे। उनकी शिक्षाएं हमारी मार्गदर्शक बनी रहेंगी।

जो जवाबदारी मिली है, डूबकर के काम करो- सीएम ने अपने पिता के देहांत के बाद कार्य में लग जाने पर कहा कि पिता का देहावसान हुआ, सच्चे अर्थ में उनकी शिक्षा हमारे साथ है, शरीर तो नष्ट होना है, इसलिए हमें जो जवाबदारी मिली है, डूबकर के काम करो। उन्होंने कहा कि हिंदी का विकास एक हजार साल में हुआ है। समय के साथ इसमें शब्द बढ़ते गए। इसमें बड़ी भूमिका तुलसीदास जी की भी है। साढ़े आठ करोड़ शब्द संस्कृत भाषा में हैं। इस मौके पर सांसद उमेशनाथ जी महाराज, विधायक सतीश मालवीय, सचिव शिक्षा विभाग संजय गोयल सहित कलेक्टर नीरज सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

अगले साल रिटायर हो जाएंगे सीएस पद के 6 दावेदार

संजय शुक्ला, रश्मि शमी, मनीष-दीपाली रस्तोगी, शिवशेखर की होगी एसीएस पद पर पदोन्नति

भोपाल (नप्र)। मुख्य सचिव वेतनमान पाने वाले एमपी कैडर के 6 आईएएस अधिकारी अगले साल 2025 में रिटायर हो जाएंगे। अपर मुख्य सचिव स्तर के इन अफसरों के रिटायरमेंट के बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति और एमपी में पदस्थ इतने ही अधिकारियों को एसीएस पद पर प्रमोशन और पदस्थापना का मौका मिलने वाला है। जो अफसर अगले साल रिटायर होने वाले हैं, उनमें से कई मुख्य

सचिव पद के दावेदार भी हैं, जिनकी इसी माह रिटायर होने वाली वीरा राणा के स्थान पर मुख्य सचिव पद की दावेदारी है।

मुख्य सचिव वीरा राणा का कार्यकाल इसी माह खत्म हो रहा है। उनको एक्सटेंशन नहीं मिलने पर प्रमुख सचिव नगरीय विकास विभाग नीरज मंडलोई अपर मुख्य सचिव पद पर पदोन्नत होंगे। इसके बाद नवंबर में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव के रिटायरमेंट के बाद प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन इस पद पर प्रमोट हो जाएंगे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पिकअप से टकराई, 4 लोगों की मौत

मंदसौर में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर हादसा ; मृतकों में तीन दोस्त शामिल

मंदसौर (नप्र)। मंदसौर में स्कॉर्पियो और पिकअप की आमने-सामने से भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर बीती रात हुआ। स्कॉर्पियो में तीन दोस्त सवार थे। इन तीनों समेत पिकअप ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

शामगढ थाना प्रभारी उदयलाल अलावा ने बताया- एक्सीडेंट बर्डिया पूना देवरी गांव के पास रात करीब 1 बजे हुआ। एक्सप्रेस वे पर रॉन्ग साइड आ रही स्कॉर्पियो ने सामने से आ रहे लोडिंग पिकअप को टक्कर मारी है।

एक घायल, मंदसौर जिला अस्पताल रेफर- स्कॉर्पियो में गरोठ तहसील के भामखेड़ी निवासी शंकर सिंह (25), गोविंद सिंह (25) और बालू सिंह (25) सवार थे। पिकअप राजस्थान के झालावाड़ जिले का रहने वाला सूरजमल प्रजापति (37) चला रहा था। चारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिकअप सवार संतोष कुमार (38) पिता नंदलाल जैन घायल है। उसे शामगढ़ सिविल हॉस्पिटल से मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।हादसे में दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। पिकअप में मैथी दाना की बोरियां लदी थीं।

रॉन्ग साइड से लौट रहे थे स्कॉर्पियो सवार- स्कॉर्पियो सवार तीनों दोस्त भानपुरा में किसी कार्यक्रम से गरोठ लौट रहे थे जबकि पिकअप चालक भवानी मंडी से मैथी दाना लेकर रतलाम जिले की जावरा मंडी जा रहा था। स्कॉर्पियो गरोठ के टोल टैक्स नाका से जावरा की तरफ निकल आई थी। इसका पता चलने पर तीनों दोस्त गाड़ी वापस घुमाकर रॉन्ग साइड से वापस गरोठ की तरफ आ रहे थे। इसी बीच उनकी गाड़ी पिकअप वाहन से टकरा गई।

नई कविता ने समाज की जमीनी हकीकत को पाठकों से जोड़ा : हेमंत मुक्तिबोध

'अष्टछाप के अर्वाचीन कवि' का लोकार्पण

भोपाल। पंकज पाठक के संपादन में प्रकाशित आठ पत्रकार-कवियों के कविता संकलन-'अष्टछाप के अर्वाचीन कवि' के लोकार्पण समारोह में वक्ताओं ने यह मत व्यक्त किया कि-'आज सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि पुस्तकों के माध्यम से समाज की जमीनी हक़ीक़त को पाठकों से जोड़ा जाए, जैसा कि नई कविता में हो रहा है। साहित्य की सभी विधाओं में इसकी अत्यंत आवश्यकता है। ऐसे पत्रकार, जो पत्रकारिता का धर्म निभाते हुए कविता लिख रहे हैं, वे अधिक प्रभावशाली तरीक़े से यह बात पहुँचा सकते हैं।'

साहित्य और पत्रकारिता का यह निचोड़ वरिष्ठ समाजसेवी एवं बौद्धिक विश्लेषक हेमंत मुक्तिबोध एवं वरिष्ठ पत्रकार-द्वय-महेश श्रीवास्तव और उमेश त्रिवेदी ने प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम कविता संकलन का लोकार्पण किया गया। इसमें सम्मिलित आठ कवि ये हैं- शिल्पा शर्मा, उमेश त्रिवेदी, पंकज

पाठक, अजय बोकिल, कौशल किशोर चतुर्वेदी, आरिफ़ मिर्ज़ा, डॉ. वंदना शुक्ला और आरती शर्मा। लोकार्पण समारोह 'हम विक्रम' द्वारा दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित किया गया था।

मुख्य अतिथि मुक्तिबोध, जिनका साहित्य और विशेषकर कविता में गहन हस्तक्षेप है, ने विस्तार के साथ विषय की विवेचना की। उन्होंने संकलन की कविताओं का विश्लेषण भी किया। सारस्वत अतिथि महेश जी ने भक्तिकाल के अष्टछाप के कवियों को समर्पित इस संकलन की कविताओं को आज के समय की प्रतिनिधि कविताएँ निरूपित किया। उमेश जी ने कहा कि आज की नई कविता साहित्य के भविष्य की ओर आश्वस्त करती हैं। कवियों ने काव्यपाठ भी किया। प्रारंभ में दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण किया गया।

संचालन विख्यात हिंदीसेवी डॉ जवाहर कर्नावट ने किया और आभार प्रख्यात शायर एवं एंकर बद्र वास्ती ने माना। खचाखच भरे दुष्यंत संग्रहालय में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, साहित्यकार अधिकारी, पत्रकार और कार्यकर्ता उपस्थित थे। पुस्तक का आवरण प्रख्यात कलाकार प्रो. आलोक भावसार एवं हरिओम तिवारी ने तैयार किया है। पिछले एक वर्ष में पंकज पाठक के संपादन में प्रकाशित यह तीसरा साझा-संकलन है।

पति-पत्नी ने खाया जहर, वीडियो बनाकर दोस्त को भेजा

कहा- हमें कोई एक्सेप्ट नहीं कर रहा ; दो दिन पहले ससुर ने किया था सुसाइड

आगर मालवा (नप्र)। आगर में पति-पत्नी ने जहर खाकर जान दे दी। सुसाइड से पहले दोनों ने वीडियो भी बनाया। जिसमें आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारी मौत के बाद किसी को भी परेशान नहीं किया जाए।

ये घटना गुरुवार की है। युवक का नाम गोपाल गोस्वामी है। उसकी पत्नी का नाम रानी

गोस्वामी है। वह गर्भवती थी। जहर खाने के बाद दोनों एक सुनसान जगह पर गंभीर हालत में पड़े मिले। जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। जहां दोनों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि परिवारिक विवाद के चलते दोनों ने खुदकुशी की है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बहू रानी ने कुछ दिनों पहले ससुर संतोष गोस्वामी समेत ससुराल के लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर थाने में शिकायत की थी। जिसके बाद ससुर ने जहर खाकर जान दे दी थी।

दो दिन पहले युवक के पिता ने जहर खाकर दी थी जान

दो दिन पहले मृतक गोपाल के पिता संतोष गोस्वामी ने भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। जिला हॉस्पिटल पुलिस चौकी प्रभारी रामलाल पवार ने बताया कि नलखेड़ा के वार्ड 14 निवासी संतोष गोस्वामी की गर्भवती बहू रानी गोस्वामी ने दो दिन पहले थाने पर सास-ससुर और ननंद पर प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए शिकायती आवेदन दिया था। इसके बाद ससुर संतोष गोस्वामी ने जहर खा लिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। परिवार जन इस घटना का जिम्मेदार बेटे गोपाल और बहू रानी को बताने लगे। इससे परेशान होकर गोपाल और रानी ने भी जहर खा लिया।

सुसाइड से पहले वीडियो बनाकर दोस्तों को भेजा

मृतक गोपाल के दोस्त अजय माली और शैलेंद्र कुशवाह ने बताया कि दोनों ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाकर हमारे मोबाइल पर सेंड किए। इसके बाद हम लोग वीडियो में बताई जगह पर उन्हें ढूंढते हुए आगर पहुंचे। दोनों हमें उज्जैन रोड पर कृषि विज्ञान केंद्र के पास सुनसान जगह पर गंभीर हालत में मिले। जिन्हें आगर जिला हॉस्पिटल ले गए। यहां गोपाल की मौत हो चुकी थी और उसकी पत्नी ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युवक गोपाल इससे पहले भी सुसाइड के इरादे से घर से निकला था, लेकिन दोस्त उसे खोजकर वापस ले आए थे।

रेलवे ट्रैक पर भी सुसाइड करने गया था युवक

दंपत्ति ने वीडियो में बताया कि इससे पहले गोपाल पचोर में रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या करने गया था। लेकिन, उसके दोस्त उसे ढूंढ कर ले आए। वह अपने पिता की मौत के तीसरे दिन के कार्यक्रम में जाना चाहता था। लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने बताया कि घर वाले उन्हें वहां आने नहीं दे रहे हैं। पति-पत्नी ने बताया कि उन्होंने परिवार वाले को फोन लगाकर आने के लिए पूछा था। लेकिन वहां कोई उन्हें एक्सेप्ट नहीं कर रहा है।

युवक ने कहा- हमारी लाशों को एक साथ दफनाना

गोपाल रानी के घर (मायके) ग्राम जोगपुरा से नलखेड़ा तीसरे में जाने का कह कर निकला था। साथ में पत्नी रानी भी थी। लेकिन दोनों वहां नहीं जा सके। इसके बाद दोनों ने एक सुनसान इलाके में शराब के साथ जहर पी लिया। दोनों जहर खुद खरीद कर लाए। वीडियो में कहा कि हमें किसी ने मजबूर नहीं किया है।

युवक ने वीडियो में कहा कि हम दोनों एक साथ अपनी मर्जी से जान दे रहे हैं। हमारी मौत के बाद शवों को एक साथ पास-पास दफनाया जाए। यही हमारी अंतिम इच्छा है। युवती ने ये भी कहा कि मेरे दोस्त बहुत अच्छे हैं। उनकी कोई गलती नहीं है। गोपाल की पत्नी रानी गर्भवती थी। उसने वीडियो में कहा कि हम बहुत परेशान हो चुके हैं। ऐसे में अपने बच्चे को दुनिया में नहीं लाना चाहती हूं।

भोपाल मेट्रो का दूसरा ब्रिज 200 टन वजनी, 48 मीटर लंबा

डीआरएम तिराहे पर नीचे से गाड़ियां, ऊपर से गुजरेगी मेट्रो ; सितंबर में बड़ी मशीनों से रखेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल मेट्रो का दूसरा स्टील ब्रिज 200 टन वजनी और 48 मीटर लंबा है। इसे सितंबर में ही बड़ी मशीनों से डीआरएम तिराहे पर रखेंगे। इसके बाद नीचे से गाड़ियां और ऊपर से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी। पहला स्टील ब्रिज रेलवे ट्रैक के ऊपर रखा जा चुका है।

आरकेएमपी (रानी कमलापति) रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है। 4 सितंबर को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया। अब दूसरे ब्रिज को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। दूसरा कंपोजिट स्टील ब्रिज है। जिसे पिलर के ऊपर रखने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनों की मदद ली जाएगी।

पहले, स्टील ब्रिज के बारे में जानिए

हबीबगंज नाका रेलवे ओवरब्रिज की लॉन्चिंग मंगलवार को की गई थी। मेट्रो कॉर्पोरेशन ने सुबह 11.30 से 2.30 बजे तक तीन घंटे का ब्लॉक लिया था। 200 से अधिक अफसर और कर्मचारियों की मौजूदगी में मिशन शुरू हुआ। जैसे ही ब्लॉक मिला, काम शुरू कर दिया गया। 400 टन वजनी इस स्टील ब्रिज की लंबाई 65 मीटर, चौड़ाई 15 मीटर और ऊंचाई 14 मीटर है। जिसे बड़ी क्रेन और 75 हॉर्स पॉवर की मशीनों की मदद से खींचा और उठाया गया।

सबसे पहले दूसरा ब्रिज रखेंगे, बाकी के काम भी होंगे

पहला रेलवे ओवरब्रिज और दूसरा कंपोजिट ब्रिज है। यह भी राजस्थान के अलवर से लाया गया। पहला ब्रिज रखने के बाद अब दूसरे ब्रिज को असेंबल किया जा रहा है। इसका वजन 200 टन और लंबाई 48 मीटर है।

अब आगे यह काम

हबीबगंज नाका और रेलवे ट्रैक के बीच पिलर पर गर्डर लॉन्चिंग नहीं है। अब गर्डर बिछाई जाएगी। यानी, गैप को कनेक्ट करेंगे।

रेलवे ट्रैक के आसपास स्टील ब्रिज के अस्थायी स्ट्रक्चर को हटाया जाएगा।

डीआरएम तिराहे पर कंपोसिट ब्रिज को बड़ी क्रेन और मशीनों की मदद से पिलर पर रखा जाएगा।

दूसरा ब्रिज भी बनने के बाद हबीबगंज नाके से डीआरएम मेट्रो स्टेशन के बीच ट्रैक बिछाया जाएगा। काम के चलते यह नहीं बिछ सका है।

इसके बाद नीचे सड़क और रोटरी बनाएंगे। ताकि, सड़क से ट्रैफिक शुरू किया जा सके।

क्लास में चक्कर खाकर गिरा 6वीं का छात्र, मौत

सीएम राइज स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह रद्द ; मां की भी ऐसे ही गई थी जान

खंडवा (नप्र)। खंडवा में क्लास रूम में 6वीं का छात्र चक्कर खाकर गिर पड़ा। टीचर ने उसे उठाया और अस्पताल लेकर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद छात्र को मृत घोषित कर दिया।

घटना मूंदी के सीएम राइज स्कूल में गुरुवार सुबह की है। अंजनियाकला का रहने वाला दुष्यंत चौधरी (12) गुरुवार सुबह स्कूल पहुंचा था। प्रार्थना के बाद अन्य बच्चों के साथ वह क्लास में जा रहा था। छात्र की मौत के बाद स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह निरस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि छात्र की मां की मौत भी 7 साल पहले ऐसे ही हुई थी।

छात्र के फूफा नारायण सिंह ने बताया- वह तीन महीने पहले ही यहां पढ़ाई करने के लिए आया था। रोज की तरह सुबह तैयार होकर स्कूल गया था। उसे कोई समस्या नहीं थी। रिश्तेदारों का कहना है कि दुष्यंत की मां क्षमा बाई की मौत भी 7 साल पहले हो गई थी।

लक्ष्मण सिंह ने सैम पित्रोदा को बताया कांग्रेस का दुश्मन

बाद में डिलीट किया ट्वीट ; वीडी बोले- कांग्रेस में घोर चापलूसी का दौर

भोपाल (नप्र)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा है कि वह अपने पिता राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं।

राहुल गांधी भारत की अवधारणा के संरक्षक हैं। पित्रोदा ने कहा कि राहुल गांधी पूर्व पीएम राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं और रणनीति बनाने के मामले में भी उनसे बेहतर हैं। पित्रोदा ने कहा है कि राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं।

पित्रोदा के बयान का विरोध उनकी ही पार्टी के सीनियर नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह कर दिया है। लक्ष्मण सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा पित्रोदा कांग्रेस का सबसे बड़ा दुश्मन है। बाप-बेटे में फर्क पैदा कर रहा है। हालांकि

हंगामा मचने के बाद लक्ष्मण सिंह ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बोले-कांग्रेस में घोर चापलूसी का दौर- सैम पित्रोदा के बयान और लक्ष्मण सिंह के ट्वीट पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- जब कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ही कह रहे कि वो कांग्रेस के दुश्मन हैं। सैम पित्रोदा विरासत टैक्स से लेकर ना जाने कितनी विवादास्पद बातें देश में करते रहे हैं। लेकिन, दुर्भाग्य है कि कांग्रेस में घोर चापलूसी का दौर है इस घोर चापलूसी के दौर में सैम पित्रोदा और क्या करेंगे? कांग्रेस में एक परिवार तक दुनिया सिमटी है तो वह (पित्रोदा) भी चापलूसी की दौड़ में लगे हैं कि कैसे नजदीक पहुंचा जाए। कांग्रेस का चरित्र ही यह है। इन बातों को देश और समाज, सब लोग जानते हैं कि कौन क्या है? कांग्रेस के नेताओं ने ही उस बात का जवाब दे दिया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री बोले- जल संवर्द्धन करने आए पित्रोदा ने पूरी कांग्रेस का वरण कर लिया- सैम पित्रोदा के बयान पर मप्र के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सैम पित्रोदा को राजीव गांधी लेकर आए थे ताकि वह जमीन के अंदर के जल संवर्धन पर काम करें लेकिन उन्होंने पूरी कांग्रेस को वरण कर लिया अब वह राहुल गांधी को आकर्षित करने के लिए इस तरह के बयान देते हैं बेटा पिता से कभी श्रेष्ठ नहीं हो सकता,सैम पित्रोदा चूक गए।

भोपाल में प्रभारी मंत्री की पहली मीटिंग आज

मंत्री चैतन्य कश्यप लेंगे बैठक, पहले दो बार कैंसिल हो चुकी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप शुक्रवार को जिले की समीक्षा बैठक करेंगे। प्रभार मिलने के बाद उनकी यह पहली मीटिंग है। इसमें वे कई कार्यों की समीक्षा करेंगे। हालांकि, 7 दिन में दो बार उनकी मीटिंग कैंसिल भी हो चुकी है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री काश्यप की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे से कलेक्टोरेट में जिले की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया, मंत्री काश्यप जिले के सभी अधिकारियों को मीटिंग में रहने को कहा गया है।

इनकी समीक्षा करेंगे मंत्री- बैठक में मंत्री काश्यप राजस्व महाअभियान, जल जीवन मिशन, पौधारोपण अभियान, सीएम राइज स्कूल, अमृत 2.0, मौसमी बीमारियां, निर्माण कार्य एवं समसामायिक विषयों की समीक्षा करेंगे। संबंधित विभाग के अधिकारी प्रजेंटेशन देकर जानकारी देंगे। इससे पहले 30 अगस्त और 3 सितंबर को होनी थी, लेकिन बाद में स्थगित हो गई थी।

मीटिंग में सड़कों का मुद्दा उठेगा- भोपाल कलेक्टोरेट में करीब एक साल बाद प्रभारी मंत्री की मीटिंग होगी। पिछले साल विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह की मौजूदगी में समीक्षा बैठक की गई थी।

13 सितंबर को कमिश्नर लेंगे संभाग की बैठक- भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह 13 सितंबर को राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। इसमें संभाग के सभी जिले- भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा और राजगढ़ के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, निगम कमिश्नर, एडीएम समेत संभागीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।